विजय विशेषांक

दीप कमल

फरवरी-मार्च -2025 (संयुक्तांक), ₹ 10.00

नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव में भी

ऐतिहासिक जनादेश

रायपुर

जगदलपुर

विश्वास का विजयोत्सव

बिलासपुर

दुर्ग

चिरमिरी

दीप कमल

वर्ष-21, अंक-2-3, फरवरी-मार्च 2025 (संयुक्तांक)

संपादक
पंकज कुमार झा

प्रबंध संपादक
हेमंत पाणिग्रही

मुद्रक एवं प्रकाशक
किरण देव द्वारा, भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ के लिए, विश्व परिवार से मुद्रित एवं कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, बोरियाकला, रायपुर से प्रकाशित।

पत्रिका दीप कमल के इस अंक का पीडीएफ प्राप्त करने के लिए कृपया QR कोड स्केन करें।

www.deepkamal.online

स्वत्वाधिकारी
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

mydeepkamal@gmail.com
0771-2233500, 2233511
92016-33511

सोशल मीडिया से

Narendra Modi @narendramo... · 01 Feb
A Budget that will add momentum towards our collective resolve of building a Viksit Bharat! #ViksitBharatBudget2025

> **MyGovIndia** @mygovindia · 01 Feb
> India is stepping into a new era with #ViksitBharatBudget2025!
>
> From AI to Makhana, Footwear to the Gig Economy, the future is here. New-age sec...

Rajnath Singh @rajnathsingh · Follow

छत्तीसगढ़ के नगर निकाय चुनाव में भाजपा ने 'परफेक्ट टेन' हासिल करके जीत का परचम लहराया है। इस जबरदस्त जीत के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री @vishnudsai एवं प्रदेश अध्यक्ष @KiranDeoBJP समेत पूरी टीम को बधाई।

यह जीत प्रधानमंत्री श्री @narendramodi एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु साय के नेतृत्व वाली एनडीए सरकारों में जनता-जनार्दन के अगाध विश्वास की प्रतीक है। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ सभी विजयी उम्मीदवारों को ढेरों शुभकामनाएं।

Amit Shah · 6d

डोंगरगढ़ (छत्तीसगढ़) के माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर में दर्शन-पूजन कर सभी के कल्याण और समृद्धि की प्रार्थना की।

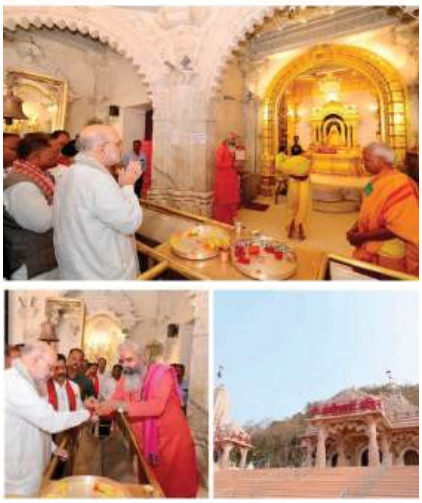

Vishnu Deo Sai · 3d

आज छत्तीसगढ़ की रजत जयंती वर्ष का स्वर्णिम बजट प्रस्तुत होने जा रहा है। अटल निर्माण वर्ष का यह बजट विकसित छत्तीसगढ़ की परिसंकल्पना को साकार करने वाला, प्रदेश की प्रगति का बजट होगा।

पिछले 13 महीने में हमारी सरकार के प्रति प्रदेश की जनता में विश्वास की बहाली हुई है। निश्चित ही जनता के आशीर्वाद से उनके भरोसे को कायम रखते हुए हम छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाएंगे।

#CG_की_प्रगति_का_बजट

Bjp Chhattisgarh · Jan 17

आज भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन कार्यक्रम के तहत श्री Kiran Singh Deo जी को प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया।

Kiran Singh Deo · 5h

पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी ने परचम लहराया है।

यह प्रदेश की जनता का भाजपा पर अटूट विश्वास, समर्थन और संगठन व हमारी सुशासन सरकार की हितकारी नीतियों का प्रतिफल है।

इस अटूट विश्वास के लिए मैं प्रदेशवासियों, वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

लोक विश्वास ही लोकतंत्र का अशोक स्तंभ है...

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय और पंचायत का हालिया चुनाव परिणाम अनेक मामलों में इतिहास रच गया। इतिहास इस मायने में तो है ही कि नगर निगम में शत-प्रतिशत महापौर भाजपा का चुना गया है, इसके अलावा नगर पालिका और नगर पंचायत की अधिकांश सीटें भी भाजपा को मिली है। साथ ही पंचायत चुनाव में भी अधिकांश सीटें भी भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने जीती हैं। इतिहास इस मायने में भी है कि विष्णुदेव सायजी की सरकार शायद देश में ऐसी एकमात्र सरकार है, जिसने अपने कार्यकाल में एक वर्ष से कुछ ही अधिक समय में अपनी पार्टी के मत प्रतिशत में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है। इतिहास इसलिए भी क्योंकि इस परिणाम ने छप्पड़ फाड़ कर सत्ताधारी भाजपा के पक्ष में जनादेश किया है, और इसलिए भी कि छत्तीसगढ़ की जनता ने उस विश्वास पर बटन दबाया है, जिस विश्वास को लोकतंत्र में फिर से रोपने की कोशिश की है भाजपा ने।

लोकतंत्र के सम्बन्ध में एक शब्द बार-बार कहे जाने योग्य है कि यह लोकलाज से चलता है। अगर कोई दल केवल वोटों की क्षुद्र लिप्सा में चांद और तारे तोड़ कर लाने का दिवास्वप्न दिखलाए और जनादेश हड़प कर बाद में धोखा दे दे, तो उस विश्वासघात की सजा यूं तो ऊपर वाले की आदालत में अधिक संगीन मिलना है, पर जनता जनार्दन के दरबार में भी उसे वही दंड मिलता है, जैसा कांग्रेस को निगम चुनाव में मिला है। लोकलाज की लोकतंत्र के सन्दर्भ में यही व्याख्या है कि आपने जो कहा वह करें, जो वादा किया वह निभायें, जो घोषणाएं की, वे महज वोट लेने के लिए नहीं हो, जो सब्जबाग दिखाये वह डपोरशंख साबित न हो? इतिहास इसी कसौटी पर किसी भी अग्रदूत को कसता है। वर्तमान भी आपका मूल्यांकन इसी आधार पर करता है कि आपके कहे और किये में कितनी समानता है।

वास्तव में लोकतंत्र की बुनियाद है भरोसा, विश्वास ही लोकतंत्र का अशोक स्तंभ है। पिछली कांग्रेस सरकार में इसी विश्वास की हत्या की गयी थी। इसी भरोसे पर चोट पहुंचाया गया था। छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के समक्ष उत्पन्न उस भरोसे के संकट से पार पा कर विष्णुदेव सायजी की सरकार ने अपने पहले वर्ष के कार्यकाल को 'विश्वास वर्ष' के रूप में मनाने का साहस किया, जनादेश परब मना कर सीधे जनता को अपना रिपोर्ट कार्ड सौंपने का साहस किया और घोषणा यह भी कि गयी कि ऐसा हर वर्ष किया जाएगा। भाजपा ने पिछली सरकार के द्वारा पैदा किए भरोसे के संकट के ध्वंशावशेष पर फिर से निर्माण का, पुनर्निर्माण का प्रण लिया है। न केवल भरोसे के निर्माण का, बल्कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का भी। प्रदेश निर्माता अटलजी के जन्मशताब्दी वर्ष को प्रदेश की भाजपा सरकार ने इसी विश्वास की नींव पर 'अटल निर्माण वर्ष' घोषित किया है।

यहां निर्माण से आशय निश्चित ही अधोसंरचना निर्माण से तो है ही, बुनियादी ढांचे को विश्वस्तरीय बनाना तो है ही किंतु यही निर्माण युवती-युवाओं के लिए रोजगार निर्माण भी करे, शिक्षा निर्माण करे, नागरिकों में जीवन सुगमता (ईज ऑफ लिविंग) का निर्माण करे, भोजन, वस्त्र, आवास, रोजी-रोजगार, उद्योग-व्यापार सबके लिए बेहतर अवसरों का निर्माण कर एक सुनहरा छत्तीसगढ़ निर्माण करना ही प्रदेश की भाजपा सरकार का, विष्णुदेव साय जी की सरकार का ध्येय है, इस 'अटल निर्माण वर्ष' का यही आशय है। इस निर्माण वर्ष का मकसद वास्तव में समाज के सबसे अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति का जीवन सुगम बनाना है। उनके जीवन में खुशियों का वैसा ही नोटिफिकेशन लाना है जैसी खुशी महतारी वंदन की राशि प्राप्त होने पर छत्तीसगढ़ की महतारी-बहनें अनुभव करती हैं।

एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी जिस अन्त्योदय की बात करते थे, जिस सर्वोदय की बात गांधी करते थे या जैसा कि जॉन रस्किन 'अन टू द लास्ट' में कहते हैं, वही भारत का मूल विचार है, जिसकी चर्चा ऊपर की गयी है। जैसा कि रहीम कहते हैं :- दीन सबन को लखत है, दीनहिं लखै न कोय। जो रहीम दिनहिं लखै, दीनबंधु सम होय, अर्थात् गरीब सबकी ओर देखता है, पर गरीब को कोई नहीं देखता। जो गरीब को प्रेम से देखता है, वह दीनबंधु भगवान के समान हो जाता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय दर्शन भी हमें यही सिखाता है कि 'दीन और दरिद्र ही हमारे नारायण हैं। जिस दिन हम इनके पावों की फटी बिवाई भरेंगे, इनके लिए पक्के आवास उपलब्ध करायेंगे, वही सच्चे अर्थों में नारायण पूजा होगा। वही हमारा समाज के अंतिम पंक्ति पर खड़े नारायण से अपना भाईचारा होगा। उनकी समस्याओं और चुनौतियों से एकात्म होना ही हमारा मानववाद है।

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने इसी सोच के आधार पर पीएम आवास से लेकर उज्ज्वला और उजाला योजना आदि के माध्यम से समाज उत्थान करने का सफल प्रयत्न किया है, इसी का परिणाम है कि आज भारत से गरीबी लगभग समाप्त होने की तरफ अग्रसर है। भारत को लेकर एक शानदार रिपोर्ट प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका The Economist में प्रकाशित हुआ है। उसके अनुसार, 'अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा' से नीचे अब भारत में लगभग कोई नहीं है। यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि सन् 1995 में भारत की आधी जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे थी। इस अध्ययन के अनुसार अब यह संख्या मात्र 1 प्रतिशत है। कांग्रेस केवल गरीबी हटाओ का नारा देकर गरीबों को महज वोट बैंक समझती रही थी, और अंततः अपने स्वार्थ के कारण स्वयं ही समाप्त हो गयी जबकि भाजपा की सरकार ने वास्तव में देश से गरीबी को दूर किया है।

अद्भुत है भारत की यह सक्सेस स्टोरी। प्रसन्नता की बात यह है कि भाजपा सरकार में छत्तीसगढ़ का विकास दर, राष्ट्रीय विकास दर से भी 1.14 प्रतिशत अधिक है। जहां देश का औसत विकास दर 6.37 प्रतिशत है, वहीं छत्तीसगढ़ में यह 7.51 प्रतिशत है। ऐसा इस सरकार की अच्छी नीति और नीयत से ही संभव हुआ है। यही नीयत है जिसके कारण आज प्रदेश का बजट आकार 5 हजार करोड़ से बढ़ कर 1 लाख 65 हजार करोड़ तक पहुंच चुका है। छत्तीसगढ़

में 'मोदी गारंटी' के आधार पर काम करने वाली विष्णुदेव सायजी की सरकार के इन्हीं कार्यों पर मुहर जनता ने लगाया है, ऐसा छत्तीसगढ़ के पञ्च-पार्षद से लेकर पार्लियामेंट तक के चुनाव परिणाम में छत्तीसगढ़ में देखने को मिला है।

इसी अच्छी नीयत का परिचय देते हुए प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओम प्रकाश चौधरी ने अपने कार्यकाल का दूसरा बजट प्रस्तुत किया है। यह ऐसा बजट है, जिससे अटल निर्माण वर्ष में सुखी और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण की मजबूत नींव रखी गयी है। एक ऐसे निर्माण की नींव, जहां प्रदेश भर में हर चेहरे पर मुस्कान हो, हर आंगन में ख़ुशहाली नाचे, सबके सर पर पक्की छत, हर हाथ को काम, भोजन, स्वच्छ पेयजल कुल मिला कर तीन करोड़ से अधिक छत्तीसगढ़ियों का जीवन आसान कर उन्हें समृद्ध बनाने वाला बजट रख कर भाजपा के अर्थ चिंतन को मूर्त रूप देने का प्रयत्न हुआ है।

छत्तीसगढ़ के हितार्थ देखे अपने सपने के प्रति जूनून इस कदर की 100 पृष्ठ के पूरे बजट को वित्त मंत्री श्री चौधरी ने हाथ से ही लिख दिया। मानो इस सुंदर प्रदेश का भविष्य अपनी कलम से ही गढ़ने का संकल्प हो, जिसकी सिद्धि का सपना साकार होता हुआ नए बजट में दिखता है। GYAN के आधार पर बने पिछले बजट को अब GATI प्रदान करते हुए यह बजट एक प्रगतिशील छत्तीसगढ़ का रोडमैप है। जिस बजट में उद्योग-व्यापार के आवंटन में 119 प्रतिशत की वृद्धि हो, जहां शिक्षा, युवा कल्याण आदि के लिए बजट आवंटन सीधे दुगना कर दिया गया हो, जहां पूजीगत व्यय अपेक्षाकृत अधिकतम रखते हुए भी हुए किसान कल्याण से लेकर महतारी सम्मान तक के लिए पर्याप्त व्यवस्था हो, जहां तेंदू पत्ता संग्रहण को आसान बनाने हेतु सोसाइटियों के घाटे की भरपाई के लिए 200 करोड़ का प्रावधान हो, फिर से आदिवासी बंधुओं के पांवों की फटी बिबाई की चिंता करते हुए जहां उन्हें चरण पादुका पुनः पहनाने के लिए बजटीय प्रावधान हो, जहां अनेक शैक्षिक संस्थान, शोध आदि के लिए पर्याप्त गुंजाइश रखते हुए भी जनता पर करों का बोझ न्यून करने की गुंजाइश हो, बावजूद इसके अगर अलग-अलग क्षेत्र में सरकार की आमदनी 15 से लेकर 20 प्रतिशत तक बढ़ा देने जैसा चमत्कार हुआ हो, वहां यह तो कह ही सकते हैं कि यह बजट उसी धारणा को मूर्तरूप देता है कि - गरीबों की सुनो, वो तुम्हारी सुनेगा, तुम एक पैसा दोगे वो दस लाख देगा। ऐसी मंशा से लाये गए बजट में GSDP का अर्थ राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद से बढ़ कर इसका छत्तीसगढ़ में वास्तविक अर्थ G अर्थात Good Governance, S अर्थात Social Security, D अर्थात Dedication For Development और P यानी Prosperity Of The Pepoles हो गया है। सुशासन, सामाजिक सुरक्षा, विकास के लिये समर्पण और लोक समृद्धि, यही आज की भाजपा सरकार का मूलमंत्र है, जिसकी अभिव्यक्ति यह बजट है।

इसी दौरान मोदीजी की सरकार का बजट भी केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने प्रस्तुत किया। केन्द्रीय बजट में तमाम लोक कल्याणकारी प्रावधान, 2047 में देश को विकसित बनाने का विजन तो है ही, इसके अलावा किसी भी अर्थशास्त्री की सोच से, जनता की अपेक्षा से भी अनेक कदम आगे बढ़ते हुए 12 लाख तक के वार्षिक आय को आयकर के दायरे से बाहर कर देश की 99 प्रतिशत जनता को 'कर मुक्त' कर दिया गया है। सरल शब्दों में कहें तो देश में अब जन सामान्य के लिए आयकर नामक टैक्स की समाप्ति ही कर दी गयी है। यह एक ऐसा सुधार है जिसकी कल्पना भी किसी के लिए संभव नहीं था।

इसी दौरान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का अंधेरा, जो ऐन उसके चिराग तले कायम हो गया था, वह भी दूर हुआ है। वहां अराजकता और अंधेरे के सुलतान अरविंद केजरीवाल के दल 'आआपा' की सरकार, जैसा कि मोदीजी ने कहा भी- किसी 'आपदा' से कम नहीं थी। भाजपा ने अंततः वहां भी आपदा को पराजित कर अवसर पैदा करने वाली सरकार का निर्माण किया है। आपदा सरकार में सीएम रहे केजरीवाल, डिप्टी सीएम रहे मनीष सिसोदिया समेत सभी बड़े सरगना उस चुनाव में खेत रहे। लम्बे समय बाद दिल्ली प्रदेश पुनः चिराग दिल्ली बना है। अस्तु!

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय और पंचायत के चुनाव परिणाम, प्रदेश बजट, केंद्रीय बजट, दिल्ली विजय... इन सभी का निचोड़ यही कहा जा सकता है कि एक लोककल्याणकारी राज्य में शासक की नीति तो सर्व-समावेशी होनी ही चाहिए, लेकिन उससे भी बड़ी बात यह है कि उसकी 'नीयत' अच्छी हो। सामान्यतया यह देखा गया है कि अच्छी नीति के रहते हुए भी अगर शासक पक्ष की नीयत स्वयं के लाभ के लिए काम करने की हो, भ्रष्टाचार कर, गरीबों के मुंह का निवाला छीन कर अपना पेट भरने की, उनकी झोपड़ी के हिस्से का सूरज छीन कर स्वयं के लिये सात मंजिल का मकां, शीशमहल तामीर कर लेने की हो, तो सभी तरह की नीतियां महज बुद्धिविलास ही बन कर रह जाती है, दुर्भाग्य से जैसा छत्तीसगढ़ में भी हमने पिछली कांग्रेस सरकार में देखा था। जैसा दिल्ली की आपदा सरकार में लगातार देख रहे थे। किंतु भाजपा ने यह साबित किया है कि उसकी नीति और नीयत दोनों पर आप आंखें मूंद कर भी भरोसा कर सकते हैं।

सायजी की सरकार ने अपने सेवा के पहले कार्यकाल का नाम ही 'विश्वास वर्ष' दिया था। एक वर्ष पूरे होने पर अपने कार्यकाल का हिसाब इस तरह सीधे जनता को जा कर देने का साहस वही कर सकता है जिसकी नीयत -जैसा ऊपर वर्णित किया गया है- बिल्कुल पवित्र और साफ हो।

भाजपा के नीति निर्मातागण हर नीति इसी नीयत से बनाते हैं उसका पहला लाभार्थी, समाज का आखिरी व्यक्ति हो। हाशिये पर खड़ी जनता को केंद्र में रख कर, या उन्हें 'केंद्र' बनाने के निमित्त ही भाजपा की नीतियों का निर्माण होता है। यही कसौटी भी होती है भाजपा सरकारों के कामकाज की। यही सीख मनीषियों ने भाजपा के कार्यकर्ताओं को दी भी है। यही दीनदयालजी का अंत्योदय दर्शन का सार भी है। इसी अच्छी नीयत के कारण भाजपा को अंधेरों से दो-दो हाथ करने का साहस और नैतिक बल आता है।

छत्तीसगढ़ भी अब फिर से इन्हीं साहस के जुगनुओं को अपनी शक्ति बनाकर फिर से सूरज की ओर कदम बढ़ा चुका है। जैसा कि वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बजट सदन के पटल पर रखते हुए कहा, वही भाजपा के चिंतन का मूल है :- **अंधेरों से आंख मिलाने/चला आया है जुगनुओं का कारवां/ हम ढूंढ ही लेंगे अपने हिस्से की रोशनी/ मशालें जलेंगीं भी/राहें दिखेगीं भी। कुशासन की आंच से ठूंठ नहीं होगा किसी का भी भविष्य/जड़ें सोख ही लेंगी अपने हिस्से का पानी। विकास का बसंत आयेगा/पूरे शबाब पर आयेगा/ कोपलें फिर से फूटेंगी/कोयलें फिर से कूकेंगी...**

शुभकामना.....

पंकज...

@pankaj_media

Email: mydeepkamal@gmail.com

विकसित हो रहे छत्तीसगढ़ के हम सब हैं साक्षी

हेमंत पाणिग्रही

देश के ऐसे जननायक और सच्चे सपूत पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्शों पर चलते हुए हम सभी एक नया छत्तीसगढ़ बनाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के अभिभावकत्व में हमें छत्तीसगढ़ को एक ऐसा राज्य बनाना है जो सुशासन, सामाजिक समानता और समरसता का केंद्र हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेतृत्व में केंद्र तथा छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार अंत्योदय के उस मंत्र को साकार करने में जुटी है, जिसका मार्ग भारत रत्न अटलजी ने दिखाया। केंद्र सरकार विगत 11 वर्ष से निरंतर विकसित भारत के संकल्प की यात्रा में अग्रसर है। जनसंघ और फिर भाजपा के संस्थापक सदस्य अटलजी के लिए राजनीति अंत्योदय को साकार करने का माध्यम था। वह जीवनभर एकात्म मानववाद के मंत्र पर चलते रहे।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटलजी का यह जन्म शताब्दी वर्ष है। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी हर देशवासी के हृदय में बसते हैं। अटलजी आकर्षक व्यक्तिव के धनी थे। देश उनमें एक सफल राजनेता, ओजस्वी वक्ता, कवि हृदय, साहित्यकार एवं समाज सुधारक की छवि देखता है। छत्तीसगढ़ की अस्मिता को हमारे अटलजी ने राष्ट्रीय पहचान दी। प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने राज्य की स्थापना के स्वप्न को चरितार्थ किया। छत्तीसगढ़ के गठन का यह एक ऐसा अनुष्ठान था, जिसने अटलजी को छत्तीसगढ़ महतारी का सबसे प्रिय सपूत बना दिया। आज सत्ता पक्ष और विपक्ष ही नहीं प्रदेश के 3 करोड़ निवासियों के हृदय में श्रद्धेय अटलजी के प्रति विशेष आस्था और अनुराग है। छत्तीसगढ़ का गठन कर उन्होंने राज्य के विकास की आकांक्षाओं को मूर्त रूप दिया। आज छत्तीसगढ़ महतारी के आंचल से संपन्नता की जो सर्वस्पर्शी एवं सर्वव्यापी अविरल धारा प्रवाहित हो रही है, उसके नायक श्रद्धेय अटलजी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी नेतृत्व में केंद्र तथा छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार अंत्योदय के उस मंत्र को साकार करने में जुटी है, जिसका मार्ग आदरणीय अटलजी ने दिखाया। केंद्र सरकार विगत 11 वर्ष से विकसित भारत के संकल्प की यात्रा में अग्रसर है। जनसंघ और फिर भाजपा के संस्थापक अटलजी के लिए राजनीति अंत्योदय को साकार करने का माध्यम था। वह जीवनभर एकात्म मानववाद के मंत्र पर चलते रहे। आज विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र से लेकर विभिन्न राज्यों में भाजपा की सरकारों में इसे प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है।

वह सच्चे अर्थ में श्रद्धेय अटलजी को एक आदरांजलि है। अटलजी ने हमेशा राजनीति में शुचिता को अग्रणी रखा। भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति का परिणाम है कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्य की जनता भ्रम और भ्रष्टाचार में लिपटी राजनीति करने वालों को सिरे से नकार चुकी है। तीन करोड़ छत्तीसगढ़िया ने अटलजी के बताए मार्ग पर चलते हुए जनकल्याण को जीवन का ध्येय बना चुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों को गारंटी माना है। राजनीति में परिश्रम की पराकाष्ठा एवं प्रतिबद्धता को केंद्र में लाने का जो कार्य उन्होंने किया, यह किसी भी कार्यक्रम के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

देश के ऐसे जननायक और सच्चे सपूत पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्शों पर चलते हुए हम सभी एक नया छत्तीसगढ़ बनाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के अभिभावकत्व में हमें छत्तीसगढ़ को एक ऐसा राज्य बनाना है जो सुशासन, सामाजिक समानता और समरसता का केंद्र हो। अंत्योदय और एकात्म मानववाद के मंत्र से जन-जन के जीवन में समृद्धि लाने के लिए हम सभी को श्रद्धेय अटलजी के वैचारिक दर्शन, उनकी रीति-नीति हम सबके विचारों में है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता के रूप में हमारे पास भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा सक्षम एवं महान नेतृत्व और प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जैसे विनम्र व्यक्तित्व हैं जो विकसित भारत व छत्तीसगढ़ के संकल्प को पूर्ण करने में जुटे हैं। ।•••

अटलजी के साथ वह यादगार पल...

आशीष गोरे

बात शायद 1983 की है... अटलजी रायपुर में एक आम सभा में भाषण देने हेतु पधारे थे। 'आम सभा को सम्बोधित करने से पूर्व वे हमारे घर आएँगे, कुछ समय विश्राम करेंगे इस दृष्टि से सभी व्यवस्था की जाए।' यह संदेश प्राप्त हुआ। यह तो हमारे लिए परम सौभाग्य की बात थी। घर में उत्साह के साथ तैयारी शुरू हुई। वे पहले भी हमारे घर पधार चुके थे। किंतु इस बार उनके पधारने का मेरे मन में विशेष आकर्षण था ।

आज उन दिनों की यादें ताजा हुई, जब मैं स्कूल में पढ़ता था। उन दिनों हम रायपुर में रहते थे। पिताजी नौकरी के अतिरिक्त सामाजिक कार्यों में गहरी रुचि रखते थे तथा माताजी भी सामाजिक और रंगमंच के क्षेत्र में अग्रणी थी। घर में लोगों का आना-जाना; सामाजिक, रंगमंच, नाट्य आदि कार्यों की गहमागहमी चलती रहती थी, कुछ राजनीतिक मेहमानों का घर में आना, रुकना, ठहरना आदि बातें मुझे जैसे चौदह-पंद्रह साल के बच्चे के लिए हमेशा कुतूहल एवं आकर्षण का केंद्र रहीं।

हमारे घर की पहली मंजिल का एक कमरा इन अतिथियों के लिए तैयार किया जाता। अतिथि आते, रहते, उनसे कुछ बातें होती... यादें जुड़ती, अपनापन होता । इन्हीं विशेष अतिथियों में एक नाम श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का भी है और उनसे जुड़ा एक प्रेरणादायी अनुभव साझा करना चाहता हूँ....

बात शायद 1983 की है... अटलजी रायपुर में एक आम सभा में भाषण देने हेतु पधारे थे। 'आम सभा को सम्बोधित करने से पूर्व वे हमारे घर आएँगे, कुछ समय विश्राम करेंगे इस दृष्टि से सभी व्यवस्था की जाए।' यह संदेश प्राप्त हुआ। यह तो हमारे लिए परम सौभाग्य की बात थी। घर में उत्साह के साथ तैयारी शुरू हुई। वे पहले भी हमारे घर पधार चुके थे। किंतु इस बार उनके पधारने का मेरे मन में विशेष आकर्षण था । इसका कारण था कि, इस मुलाकात से तीन-चार साल पहले बतौर भारत के विदेशमंत्री संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में अटलजी ने हिंदी में भाषण दिया था। जिसका सारी दुनिया में डंका बजा था। यह मेरे मन को छू लेने वाली घटना थी। अतः मैं उनसे मिलने लालायित था। वे पधारे... साथ में बड़ी तादाद में उनके समर्थक भी थे। सारे समर्थकों से निवेदन किया गया कि, कुछ देर घर के बाहर इंतजार करें। उस के उपरांत घर में पूर्व जनसंघ तथा नवनिर्मित 'भारतीय जनता पार्टी' के स्थानीय पदाधिकारी, हमारा परिवार और हमारे अतिथि... 'अटलजी' बस हम ही उपस्थित थे।

वातावरण में एक अलग प्रकार की शालीनता और गंभीरता भरी गरिमा थी। जलपान से उस अनौपचारिक बैठक का प्रारंभ हुआ। अटलजी शांत बैठकर बातें सुन रहे थे, कुछ बातों पर सहजता से मुस्कुरा देते थे। कुछ देर बाद चुप्पी टूटी, संवाद का रुख मेरे पिताजी की ओर हुआ, वह भी मराठी में... "सगळं ठीक आहे ना?" ("सब सकुशल तो है ना?")... मेरे पिताजी ने कुशलक्षेम की हामी भरी... कुछ सहजता बढ़ी तो मेरी बहन ने पहले और बाद में मैंने उनके पाँव छुए। मैंने पिताजी से पूछा "मैं इनसे बात करना और उनके हस्ताक्षर (औटोग्राफ) लेना चाहता हूँ... पिताजी ने मेरी बात अटलजी तक बढ़ा दी... उनकी सहमति दिखी तो मैं आगे बढ़ा। "काय नाव तुझं?" ("तुम्हारा नाम क्या है?") अलग उच्चारण वाली परंतु अपनेपन से भरे उनके मराठी सवाल से सहजता और बढ़ गई; जिससे उनसे वार्तालाप करने की हिम्मत जुटाना सरल हुआ। "मैं आशीष, आपने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा को हिंदी में सम्बोधित किया। इस बात से आपसे मैं बहुत प्रभावित हूँ।" अटलजी ने मेरी पीठ पर हाथ रखा और वे मुस्कुरा दिए।... अब मैंने अपनी ऑटोग्राफ बुक उनके सामने रख दी, अटलजी ने हस्ताक्षर किए... मैंने देखा... धन्यवाद दिया... मैं जरा आश्चर्यचकित हुआ और... अनायास ही पूछ बैठा... "तुम्ही हिंदीत सही करता?" "आप हिंदी में हस्ताक्षर करते है?") मराठी में पूछे गए मेरे सवाल का त्वरित उत्तर था... "हाँ..."। अब तक मेरी ऑटोग्राफ बुक में अधिकतर हस्ताक्षर अंग्रेजी में थे... अब ये नया अनुभव मेरे साथ था...।

प्रसंग आगे बढ़ा। समर्थकों के हुजुम के साथ अब हमारे बहुतेरे पड़ोसी भी जुड़ चुके थे। पहली बार वो नारा मैंने उसी दिन सुना था... 'प्रधानमंत्री की अगली बारी... अटल बिहारी... अटल बिहारी!' (हालांकि ये नारा फलीभूत होने में तेरह साल और लगे जब 1996 में अटल बिहारीजी पहली बार प्रधानमंत्री बने ।)

उसके पश्चात, भावी प्रधानमंत्री अटलजी आमसभा में प्रस्थान करने के लिए तैयार थे। उनका काफिला आगे बढ़ चला था। किंतु उनकी वह भेंट मेरे मन में यादगार छाप छोड़ गई। उनके व्यक्तित्व से मैं प्रभावित हो गया। परिणामस्वरूप उस दिन से मैंने हमेशा भारतीय (हिंदी और मराठी) भाषा में हस्ताक्षर करना प्रारंभ किया और उस निर्णय पर आज भी कायम हूं। चाहे देश में रहा या परदेस में हस्ताक्षर भारतीय भाषाओं में ही किए और इसे आगे भी जारी रखूंगा। धन्यवाद अटलजी! उस प्रेरणादायक भेंट के लिए...। आपको ।•••

विकास, विजन और विश्वास की जीत : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली विधान सभा चुनाव 2025 में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह को संबोधित किया और दिल्ली के विकास के लिए भाजपा सरकार के विजन को जनता से साझा करते हुए दिल्ली के विकास को अवरुद्ध करने वाली विपक्षी पार्टियों पर जम कर निशाना साधा। कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, दिल्ली के भाजपा सांसद, नवनिर्वाचित विधायक सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन की शुरुआत "यमुना मैया की जय" के नारे के साथ की।

पीएम श्री मोदी ने कहा कि देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं और दिल्ली के भाजपा कार्यकर्ताओं के मन में ये टीस थी दिल्ली की पूरी तरह से सेवा न कर पाने की। दिल्ली ने हमारा वो आग्रह भी मान लिया। दिल्ली की युवा पीढ़ी और 21वीं सदी में पैदा हुए युवा पहली बार दिल्ली में भाजपा का सुशासन देखेंगे।

पीएम श्री मोदी ने कहा कि दिल्ली में दिल्ली के लोगों में एक उत्साह भी है और सुकून भी है। उत्साह विजय का है और सुकून दिल्ली को आप-दा से मुक्त कराने का है। दिल्ली के विकास की बड़ी बाधा दूर हो गई। चुनाव से पूर्व मैंने हर दिल्ली वासी के नाम पत्र भेज कर प्रार्थना की थी कि 21वीं सदी में भाजपा को अवसर दीजिए और दिल्ली को विकसित भारत की राजधानी बनाने के लिए भाजपा को मौका दीजिए। दिल्ली की जनता ने दिल खोलकर प्यार दिया। मैं दिल्ली के हर परिवारजन को 'मोदी की गारंटी' पर भरोसा करने के लिए सिर झुकाकर नमन करता हूं। आपके इस प्यार को विकास के लॉन्ग रूट पर हम लौटाएंगे। दिल्ली के लोगों का ये प्यार और विश्वास हम सभी पर एक कर्ज है।

दिल्ली की डबल इंजन सरकार दिल्ली का डबल तेजी से विकास करके ये कर्ज चुकाएगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की विजय ऐतिहासिक है। ये सामान्य विजय नहीं है क्योंकि दिल्ली की जनता ने आप-दा को बाहर कर दिया है। करीब एक दशक की आप-दा से दिल्ली मुक्त हुई है। दिल्ली का जनादेश स्पष्ट है। दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई है तथा आडंबर, अराजकता, अहंकार और दिल्ली पर छाई आप-दा की हार हुई है। उन्होंने कहा कि जिन्हें दिल्ली का मालिक होने का घमंड था, उनका सच से सामना हो भी गया है। दिल्ली के जनादेश से स्पष्ट है कि राजनीति में शॉर्ट कट के लिए, झूठ और फरेब के लिए कोई जगह नहीं है। जनता ने शॉर्ट कट वाली राजनीति का शॉर्ट सर्किट कर दिया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं और दिल्ली के भाजपा कार्यकर्ताओं के मन में ये टीस थी दिल्ली की पूरी तरह से सेवा न कर पाने की। दिल्ली ने हमारा वो आग्रह भी मान लिया। दिल्ली की युवा पीढ़ी और 21वीं सदी में पैदा हुए युवा पहली बार दिल्ली में भाजपा का सुसाशन देखेंगे। नतीजे दिखाते हैं कि भाजपा की डबल इंजन सरकार के लिए देश में कितना भरोसा है। लोकसभा चुनाव की जीत के बाद हमने पहले हरियाणा में अभूतपूर्व रिकॉर्ड बनाया। फिर महाराष्ट्र में नया रिकॉर्ड बनाया। अब दिल्ली में नया इतिहास रच गया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि नतीजों का एक दूसरा पक्ष भी है। दिल्ली कोई एक शहर नहीं बल्कि ये मिनी हिंदुस्तान है। विविधताओं से भरे भारत का ये लघु रूप है। दिल्ली 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के विचार को जीती है। यहां दक्षिण, पश्चिम और पूर्वी भारत के लोग है। इसी विविधता वाली दिल्ली ने भाजपा को प्रचंड जनादेश का आशीर्वाद दिया है। दिल्ली का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां कमल न खिला हो। हर भाषा और हर राज्य के लोगों ने दिल्ली में भाजपा के कमल निशान पर वोट दिया। चुनाव में मैं जहां गया, गर्व से कहता था कि मैं तो पूर्वांचल से सांसद हूं। ये पूर्वांचल के लोगों ने इस रिश्ते को प्यार की, विश्वास की नई ऊर्जा और ताकत दे दी। मैं पूर्वांचल के लोगों का पूर्वांचल के सांसद के नाते विशेष आभार व्यक्त करता हूं। दिल्ली वालों को मेरी गारंटी है, सबका साथ-सबका विकास- पूरी दिल्ली का विकास। दिल्ली के विजय उत्सव के साथ-साथ आज अयोध्या के मिल्कीपुर में भी भाजपा को शानदार जीत मिली है। सभी ने भाजपा के लिए भारी संख्या में मतदान किया है।

पीएम श्री मोदी ने कहा कि आज देश तुष्टिकरण नहीं, बल्कि भाजपा के संतुष्टिकरण की पॉलिसी को चुन रहा है। टकराव तथा प्रशासनिक अनिश्चितता ने दिल्ली का बहुत नुकसान किया है। आज दिल्ली के विकास के सामने से एक रुकावट आप सब दिल्लीवासियों ने दूर कर दी है। दिल्ली में आप-दा वालों ने मेट्रो का काम आगे बढ़ाने से रोका, झुग्गी वालों को घर लेने से रोका, आयुष्मान भारत का लाभ भी नहीं मिलने दिया। अब दिल्ली की जनता ने गवर्नेंस का साफ संदेश दिया है। दिल्ली ने पहले का जमाना देखा है। गवर्नेंस नौटंकी, प्रचार और प्रपंच का मंच नहीं है। जनता ने फिर और डबल इंजन की सरकार को चुनाव है। हम पूरी गंभीरता से धरातल पर रहकर काम करेंगे।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की विजय ऐतिहासिक है। ये सामान्य विजय नहीं है क्योंकि दिल्ली की जनता ने आप-दा को बाहर कर दिया है। करीब एक दशक की आप-दा से दिल्ली मुक्त हुई है। दिल्ली का जनादेश स्पष्ट है। आज दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई है तथा आडंबर, अराजकता, अहंकार और दिल्ली पर छाई आप-दा की हार हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि जहां एनडीए है, वहां सुशासन है, विकास है और विश्वास है। एनडीए का हर उम्मीदवार, हर जनप्रतिनिधि लोगों के हित में काम करता है। देश में एनडीए को जहां जनादेश मिला है, हमने उस राज्य को विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। इसलिए भाजपा को लगातार जीत मिल रही है। लोग हमारी सरकारों को दूसरी बार, तीसरी बार चुन रहे हैं। उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, एमपी, गोवा, महाराष्ट्र, असम, अरुणाचल, मणिपुर, बिहार हर राज्य में हमें दोबारा सत्ता मिली है। दिल्ली के बगल में उत्तर प्रदेश है। एक जमाने में यूपी की कानून-व्यवस्था कितनी बड़ी चुनौती थी। कितना बड़ा चैलेंज नारी शक्ति के लिए होता था। हमने संकल्पबद्ध होकर काम किया। महाराष्ट्र में हर साल सूखे के कारण हमारे अन्नदाता पर कितना बड़ा संकट आता था। हमने जल मित्र जैसे अभियान चलाकर हर किसान तक पानी पहुंचाया। हरियाणा में बिना खर्ची-बिना पर्ची सरकारी नौकरी नहीं मिलती थी। भाजपा सुशासन का नया मॉडल तैयार कर रही है। पूर्वोत्तर में हमने विकास की नई धारा से लोगों को जोड़ा है। गुजरात में खेती-किसानी कभी मुश्किल थी। वहीं गुजरात आज एग्रीकल्चर पावर हाउस बन गया है। बिहार का हाल आपको पता था, नीतीश जी बदलाव लाए। बदलाव तभी लाए जब एनडीए की सरकार बनी। ।•••

विकसित भारत अभियान को समर्पित केंद्रीय बजट

आज भारत की विकास यात्रा का एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव है! ये 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का बजट है, ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है। हमने कई सेक्टर्स युवाओ के लिए खोल दिए हैं। सामान्य नागरिक, विकसित भारत के मिशन को ड्राइव करने वाला है। यह बजट एक फ़ोर्स मल्टीप्लायर है। यह बजट सेविंग्स को बढ़ाएगा, इन्वेस्टमेंट को बढ़ाएगा, कंजम्पशन को बढ़ाएगा और ग्रोथ को भी तेज़ी से बढ़ाएगा। मैं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण जी और उनकी पूरी टीम को इस जनता जर्नादन का बजट, पीपल्स का बजट, इसके लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

आमतौर पर बजट का फोकस इस बात पर रहता है कि सरकार का खजाना कैसे भरेगा, लेकिन ये बजट उससे बिल्कुल उल्टा है। लेकिन ये बजट देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगी, देश के नागरिकों की बचत कैसे बढेगी और देश के नागरिक विकास के भागीदार कैसे बनेंगे, ये बजट इसकी एक बहुत मजबूत नींव रखता है।

इस बजट में रीफॉर्म की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये गए हैं। न्यूक्लियर एनर्जी में प्राइवेट सेक्टर को बढ़ावा देने का निर्णय बहुत ही ऐतिहासिक है। ये आने वाले समय में सिविल न्यूक्लियर एनर्जी का बड़ा योगदान देश के विकास में सुनिश्चित करेगा। बजट में रोजगार के सभी क्षेत्रों को हर प्रकार से प्राथमिकता दी गई है। लेकिन मैं दो चीजों पर ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगा, उन रीफॉर्म्स की मैं चर्चा करना चाहूँगा, जो आने वाले समय में बहुत बड़ा परिवर्तन लाने वाले हैं। एक- इंफ्रास्ट्रक्चर स्टेटस देने के कारण भारत में बड़े शिप्स के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा, आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति मिलेगी और हम सब जानते हैं कि शिप बिल्डिंग सर्वाधिक रोजगार देने वाल क्षेत्र है। उसी प्रकार से देश में टूरिज्म के लिए बहुत संभावना है। महत्वपूर्ण 50 टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स, वहां पर जो होटल्स बनाएंगे, उस होटल को पहली बार इंफ्रास्ट्रक्चर के दायरे में लाकर टूरिज्म पर बहुत बल दिया है। इससे होस्पिटैलिटी सेक्टर को जो रोजगार का बहुत बड़ा क्षेत्र है और टूरिज्म जो रोजगार का सबसे बड़ा क्षेत्र है, एक प्रकार से चारों तरफ रोजगार के अवसर पैदा करने करने वाला ये क्षेत्र को ऊर्जा देने वाला काम करेगा। आज देश, विकास भी, विरासत भी इस मंत्र को लेकर चल रहा है। इस बजट में भी इसके लिए भी बहुत महत्वपूर्ण और ठोस कदम उठाए गए हैं। एक करोड़ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए, manuscript के लिए ज्ञान भारतम मिशन लॉन्च किया गया है। साथ ही, भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित एक नेशनल डिजिटल रिपॉजटरी बनाई जाएगी। यानी टेक्नोलॉजी का भरपूर उपयोग किया जाएगा और हमारा जो परंपरागत ज्ञान है, उसमें से अमृत निचोड़ने का भी काम होगा।

बजट में किसानों के लिए जो घोषणा हुई है वो कृषिक्षेत्र और समूची ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई क्रांति का आधार बनेगी। पीएम धन-धान्य कृषि योजना के तहत 100 जिलों में सिंचाई और इनफ्रास्ट्रक्चर का development होगा, किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 5 लाख तक होने से उन्हें ज्यादा मदद मिलेगी।

अब इस बजट में 12 लाख रुपए तक की आय को टैक्स से मुक्त कर दिया गया है। सभी आय वर्ग के लोगों के लिए टैक्स में भी कमी की गई है। इसका बहुत बड़ा फायदा हमारे मिडिल क्लास को, नौकरी पेशे करने वाले जिनकी आय बंधी हुई है, ऐसे लोगों को मिडिल क्लास को इससे बहुत बड़ा लाभ होने वाला है। उसी प्रकार से जो नए-नए प्रोफेशन में आए हैं, जिनको नए नए जॉब मिले हैं, इनकम टैक्स की ये मुक्ति उनके लिए एक बहुत बड़ा अवसर बन जाएगी।

इस बजट में मैन्युफैक्चरिंग पर 360 डिग्री फोकस है, ताकि Entrepreneurs को, MSMEs को, छोटे उद्यमियों को मजबूती मिले और नई Jobs पैदा हों। नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन से लेकर क्लीनटेक, लेदर, फुटवियर, टॉय इंडस्ट्री जैसे अनेक सेक्टर्स को विशेष समर्थन दिया गया है। लक्ष्य साफ है कि भारतीय प्रोडक्ट्स, ग्लोबल मार्केट में अपनी चमक बिखेर सकें।

इस बजट में मैन्युफैक्चरिंग पर 360 डिग्री फोकस है, ताकि Entrepreneurs को, MSMEs को, छोटे उद्यमियों को मजबूती मिले और नई Jobs पैदा हों। नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन से लेकर क्लीनटेक, लेदर, फुटवियर, टॉय इंडस्ट्री जैसे अनेक सेक्टर्स को विशेष समर्थन दिया गया है। लक्ष्य साफ है कि भारतीय प्रोडक्ट्स, ग्लोबल मार्केट में अपनी चमक बिखेर सकें।

छत्तीसगढ़ का होगा समग्र विकास : प्रहलाद जोशी

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी केंद्रीय बजट पर विस्तृत जानकारी देने के लिए राजधानी रायपुर पहुंचे और पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने पेश किया है। केन्द्रीय बजट विकसित भारत के विजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। यह वर्ष 2047 विकसित भारत का रोड़ मैप है। आज हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे। केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार के विकास के ट्रैक रिकॉर्ड और संरचनात्मक सुधारों ने अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। युवा, अन्नदाता, गरीब,महिला को ध्यान रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में विकास के उपाय किए गए हैं। मध्यम वर्गीय और नौकरी पेशा का सशक्तिकरण शुरू हो गया है। राष्ट्र के निर्माण में मध्यम वर्ग देश को शक्ति प्रदान करता है।नयी व्यवस्था के अंतर्गत 12 लाख रुपए तक की आय पर (अर्थात पूंजीगत लाभ जैसी विशेष दर आय को छोड़कर प्रति माह 1 लाख रुपए की औसत आय) कोई आयकर नहीं देना होगा। वेतनभोगी वर्ग के लिए 12.75 लाख की वार्षिक आय पर कोई आयकर नहीं है, क्योंकि वेतनभोगी वर्ग को 75, हज़ार की मानक कटौती का लाभ उपलब्ध है। नयी कर व्यवस्था में 12 लाख की आय वाले करदाताओं को कर में 80 हजार का लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री धन-धान्य, कृषि योजना के अंतर्गत कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिलने जा रहा है।

बजट में छत्तीसगढ़ की हिस्सेदारी

भारत की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2025 को संसद में केंद्रीय बजट 2025-26 प्रस्तुत किया। यह बजट आर्थिक विकास को गति देने, रोजगार सृजन करने, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने पर केंद्रित है। इस बजट में छत्तीसगढ़ के विकास पर भी विशेष जोर दिया गया है।

- **पहली बार बिजनेस शुरू करने पर पांच लाख अनुसूचित जाति व जनजाति महिलाओं को 2 करोड़ का टर्म लोन दिया जाएगा।**
- **MSME की क्रेडिट गारंटी 5 करोड़ से 10 करोड़ हुई। प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों को इसका सीधा लाभ होगा।**
- **किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी गई है छत्तीसगढ़ के 27 लाख किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।**
- **छत्तीसगढ़ राज्य को 5054 करोड़ की अतिरिक्त राशि। इस बार के अनुमान से अगले वर्ष छत्तीसगढ़ के कर शेयर में 16 प्रतिशत की वृद्धि केंद्रीय करों से छत्तीसगढ़ को अनुमानित 41 हजार, 557 करोड़ की राशि मिलनी थी लेकिन 43 हजार 409 करोड़ मिलेगी ।**
- **3 करोड़ रोजगार सृजन से छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए बड़ा अवसर। इंडस्ट्री, टूरिज्म क्षेत्र, स्वास्थ्य सेवाओं व स्टार्ट अप आदि से रोजगार का सृजन होगा।**
- **शहरों के पुनर्विकास के लिए 1 लाख करोड़ का प्रावधान। जिला अस्पतालों में कैंसर का इलाज, दवाई पूरी तरह कस्टम ड्यूटी से मुक्त।**
- **धरती आबा जनजातीय उत्कृष्ट अभियान : 63,843 आदिवासी बहुल गांवों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, शिक्षा स्वास्थ्य और आंगनबाड़ी सुविधाओं को मजबूत करने और आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए विशेष योजना।**
- **जनजातीय बजट 10237.33 करोड़ से बढ़ाकर 14925.81 करोड़ किया गया।**
- **टैक्स शेयर के रूप में 10 साल में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को मात्र 47 हजार करोड़ दिए जबकि मोदी सरकार ने बढ़ाकर 2.26 लाख करोड़ किया।**

वहीं, कांग्रेस ने मात्र 30,700 करोड़ का ग्रांट दिया तो मोदी सरकार ने 273 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1 लाख 15 हजार करोड़ का ग्रांट दिया। ।•••

प्रदेश की प्रगति को नव गति

राज्य की समृद्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने विधानसभा के पटल में 2024-25 का 1 लाख 65 हजार करोड़ का बजट प्रस्तुत किया। इससे पूर्व 'GYAN' (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी) पर केंद्रीत बजट रखा था और अब प्रदेश की विकास की 'GATI' (गुड गवर्नेंस, एक्सेलरेटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रियल ग्रोथ) को समर्पित है यह बजट। इस बजट में छत्तीसगढ़ के विकास की तस्वरी को हर मोर्चे पर मजबूत करने के लिए कई अहम फैसले लिए गए हैं। राज्य निर्माण के बाद पूर्ववर्ती भाजपा की सरकारों ने विकास के लिए जो माइल स्टोन रखा था उसी दिशा में भाजपा की यह सरकार गतिमान है और प्रगति के पथ पर चलकर राज्य के विकास को नव गति मिलेगा इस संकल्प को पूर्ण करने में विष्णु देव साय की सरकार सदैव संकल्पित हैं।

संभावनाओं के सुनहरे भविष्य का बजटः सीएम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य सरकार के दूसरे आम बजट को ऐतिहासिक बजट करार दिया। उन्होंने दावा किया कि यह बजट छत्तीसगढ़ के सुनहरे भविष्य और सभी वर्गों को नई ऊंचाइयों में पहुंचाने वाला

है। उन्होंने मौजूदा वित्तीय वर्ष के बजट की थीम 'ज्ञान' का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें गरीब, युवा, किसानों और महिलाओं पर फोकस था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बीते एक वर्ष में इस थीम पर ईमानदारी से काम किया गया। इसके परिणाम भी अच्छे आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करेंगे। हमारी नीति और नीयत साफ है। विधानसभा में आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 का आम बजट पेश करने के बाद चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी पर भरोसा करते हुए प्रदेश की जनता ने हमें सत्ता में बिठाया। सवा साल में इसे पूरा करने के हर संभव प्रयास किए गए। यही वजह रही कि हर चुनाव में प्रदेश की जनता का भरपूर आशीर्वाद मिला। हमने म जनता का भरोसा जीता है। आगामी वित्तीय मे वर्ष के बजट की थीम 'गति' को लेकर ग मुख्यमंत्री ने कहा कि गुड गवर्नेंस को लेकर हमारी सरकार ने काम किया। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य होगा, के जिसने सुशासन स्थापित करने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल निर्माण वर्ष में सरकार तेजी से विकास करने वाली है। तकनीकी विकास पर अधिक जोर होगा। उद्योग-धंधे तेजी से विकसित हों ताकि -निवेश अधिक आए और इसके जरिए -रोजगार मिले।

श्रेष्ठ है राज्य का बजटः किरण देव

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कहा है कि इस बजट में सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है बस्तर से लेकर सरगुजा तक विकास की संभावनाओं का महत्वपूण दस्तावेजीकर किया गया है। हम

विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को पूर्ण करेंगे। इस दिशा में यह बजट महत्वपूर्ण साबित होगा। प्रदेश के अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। समग्र समाज की समृद्धि का आधार यह बजट होगा। इस बजट में विकास के कई कार्यक्रम व योजनाओं के लिए प्रावधान किए गए हैं, साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में, स्वास्थ्य के क्षेत्र में, पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए, युवाओं की दृष्टि से हो, मातृ शक्तियों का सम्मान बढ़ाने की दृष्टि से हो चाहे किसान भाइयों के लिए हो और उद्योग की दृष्टि से चाहे वह बड़े उद्योग हो लघु उद्योग हो मध्यम उद्योग हो, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को ध्यान में रखते हुए समूचे छत्तीसगढ़ के पाँचों संभाग में समुचित रूप से विकास के अनेक प्रावधान किए गए है , जो बजट में घोषित योजनाओं के माध्यम से परिलक्षित हुई हैं।

ज्ञान से हम गति की ओर हैं : ओ.पी. चौधरी

प्रदेश के वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि राज्य की विकास के लिए हमरी संवेदनशीलता बजट में शामिल जनकल्याणकारी योजनाओं में दिखता है। इस बजट के माध्यम से आर्थिक विकास में तेजी आयेगी हम युवा, मातृशक्ति, किसानों, सर्ववर्ग के हितों को इस बजट में शामिल किया है। संभावनाओं के छत्तीसगढ़ को इस बजट से नवगति मिलेगी और राज्य में समग्र विकास के योजनाएं सदैव हमारी प्राथमिकताओं में रहेगी।

बजट अंत्योदय को समर्पित है

छत्तीसगढ़ की विकास पर विशेष ध्यान इस बजट में दिया गया है। बजट में रजत जयंती की झलक दिखती है। सुगम परिवहन, यातायात सहित नगर विकास की सारी संभावनाओं को बजट में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। यह बजट विकसित छत्तीसगढ़ के विजन का माइल स्टोन बजट होगा। यो अंत्योदय को समर्पित है।

अरूण साव, उपमुख्यमंत्री

अटल जी के स्वप्नों को करेंगे पूरा

नक्सल उन्मूलन हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में है। जिसे लेकर इस बजट में महत्वपूर्ण कार्ययोजनाओं को अंतिम रूप दिया गया है। आवासहीनों के लिए आवास, गांव से शहर तक जुड़ाव, सहित आधारभूत विकास योजनाओं को संचालित होगा। छत्तीसगढ़ के संपूर्ण विकास के लिए अटल जी ने जो स्वप्न देखा था उसे पूर्ण करना हमारी चिंताओं में है।

विजय शर्मा, उपमुख्यमंत्री

किसानों का होगा सदैव उत्थान

छत्तीसगढ़ हमेशा धान का कटोरा रहा है इसलिए अन्नदाता हमारी सदैव चिंताओं में रहे हैं। किसानों को जितना उत्थान होगा। उसका सीधा लाभ राज्य के विकास को मिलेगा। अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ा वर्ग के विकास के लिए सहित समाज के सभी वर्गों के लिए इस बजट में महत्वपूर्ण फैसले लिए गये हैं।

रामविचार नेताम, कृषिमंत्री

प्रमुख विभागों को आवंटन

(राशि करोड़ रुपए में)

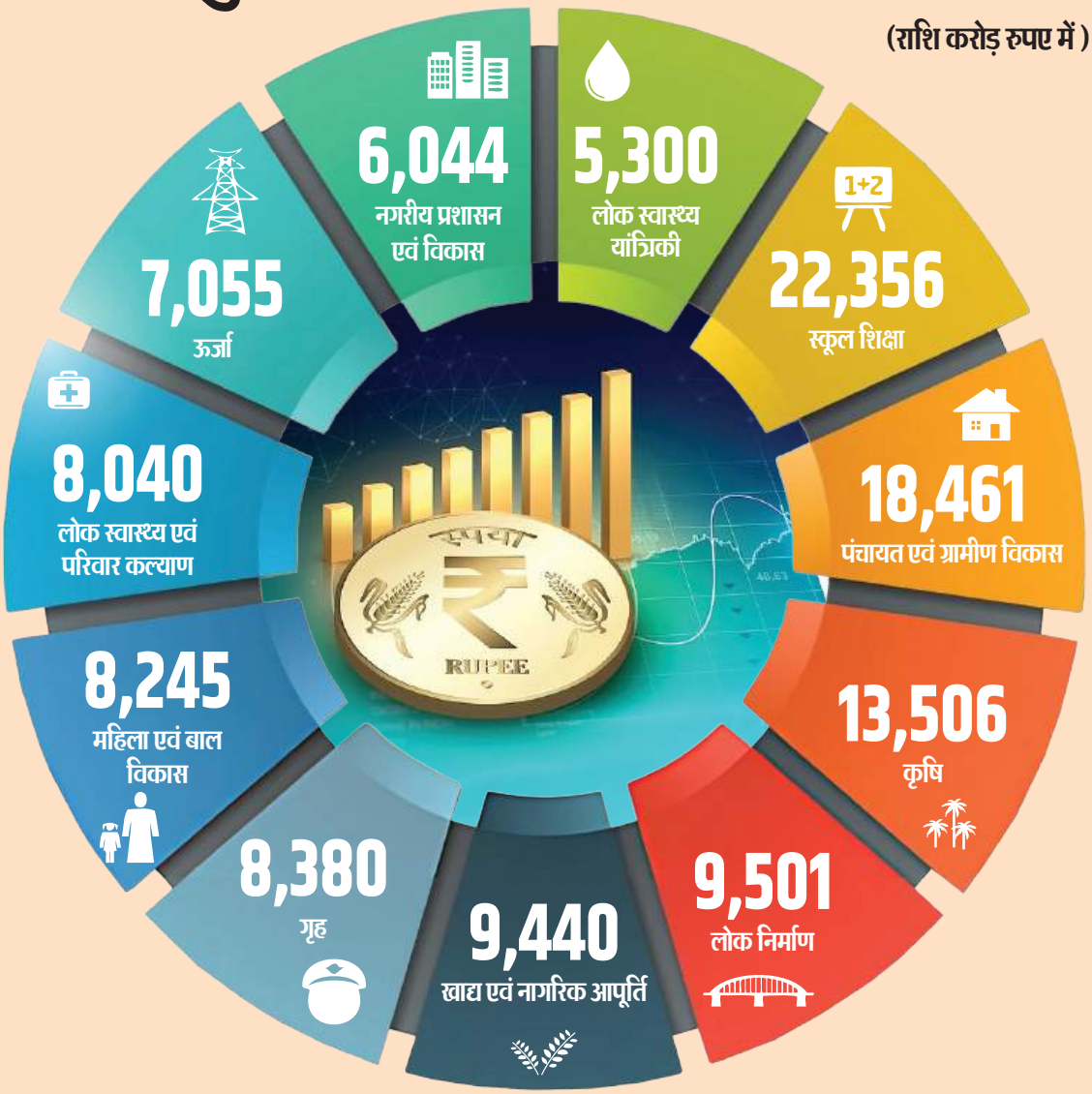

नवीन पहल

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना	मुख्यमंत्री परिवहन योजना	मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना	पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना
मुख्यमंत्री मोबाइल टॉवर योजना	मुख्यमंत्री बाईपास और रिंगरोड़ निर्माण योजना	मुख्यमंत्री गवर्नेंस फेलोशिप	अटल सिंचाई योजना

G गुड गवर्नेंस (सुशासन)

- सरकारी वित्तीय संचालन में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए अगली पीढ़ी की एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली का कार्यान्वयन
- फाइलों के ऑनलाइन प्रसंस्करण के लिए ई-फाइल प्रणाली का कार्यान्वयन
- अटल निगरानी पोर्टल (मुख्यमंत्री डैशबोर्ड) का विकास जो सरकारी परियोजनाओं की प्रगति को ट्रैक करने के लिए एक व्यापक डेशबोर्ड प्रदान करेगा
- ऑनलाइन खनिज प्रबंधन प्रणाली खनिज ऑनलाइन 2.0 का उन्नयन
- सरकारी सेवाओं व योजनाओं में नागरिकों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
- अचल संपत्ति बिक्री-खरीद का फेसलेस और पेपरलेस पंजीकरण
- आई.आई.एम और आई.आई.आई.टी रायपुर के सहयोग से मुख्यमंत्री शासून फैलोशिप
- जेम पोर्टल का उपयोग

A एक्सेलरेटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर

- यू.एल.बी के अधोसंरचना विकास के लिए आवंटनः 750 करोड़
- बागवानी विश्वविद्यालय इन्फ्राः 170 करोड़
- मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजनाः 100 करोड़
- जगदलपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर में हवाई अड्डों का विकास
- पुलिस स्टेशनों को मजबूत करनाः 70 करोड़
- नए फायर स्टेशनों की स्थापना एवं क्षमता वृद्धिः 44 करोड़ रुपये
- अटल स्मारक, संग्रहालय का विकासः 40 करोड़

T टेक्नोलॉजी (तकनीकी)

- डायल 100/112 सेवाएंः 125 करोड़
- ई-धरती का कार्यान्वयनः 48 करोड़
- वाणिज्यिक कर विभाग में बिजनेस इंटेलिजेंस यूनिटः 41 करोड़
- स्टेट डाटा सेंटर की स्थापनाः 40 करोड़
- डिजिटल फसल सर्वेक्षणः 40 करोड़
- अदालतों का कंप्यूटरीकरणः 37 करोड़
- अपराध, आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क प्रणाली का संचालन और रखरखावः 25 करोड़
- कृषि सहकारी समितियों का डिजिटलीकरणः 24 करोड़

I इंडस्ट्रियल ग्रोथ (औद्योगिक विकास)

- पिछले वर्ष की तुलना में बजट आवंटन तीन गुना से अधिक
- व्यवसाय सुधार कार्य योजना (ब्रैप) के तहत सिंगल विंडो सिस्टम का कार्यान्वयन
- इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ कार्यक्रम का कार्यान्वयन
- रोजगार उन्मुख औद्योगिक नीति
- मुख्य क्षेत्रों के अलावा, सेवा क्षेत्र का संवर्धन
- अग्निवीर और आत्मसमर्पित नक्सलियों को नौकरियों में प्राथमिकता

विकास के पथ पर बढ़ रहा छत्तीसगढ़

"अटल निर्माण वर्ष के माध्यम से छत्तीसगढ़ विकास के पथ पर लगातार बढ़ रहा है। राज्य निर्माण के बाद भाजपा की सरकारों ने राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इस बजट में भी हमने बनाया है हम ही सवारेंगे सूत्र वाक्य को विकास का महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। जिसकी संपूर्ण झलक इस बजट में दिखती है।

केदार कश्यप, वन मंत्री

बेहतर होगी स्वास्थ्य सुविधाएं

"छत्तीसगढ़ राज्य में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं हो और आम जनमानस को सुलभ चिकित्सा सुविधा मिले इसके लिए इस बजट में विशेष प्रावधान रखे गये हैं। राज्य में बेहतर स्वास्थ्य मिशन का संचालन हो और आयुष्मान योजना सहित विकसित अस्पतालों की स्थापना पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह बजट स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने की दिशा में महत्वपूर्ण होगा।

श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री

औद्योगिक विकास को प्राथमिकताएं

"राज्य के औद्योगिक विकास से रोजगार की नई संभावनाओं को बल मिलेगा। जिसके लिए इस बजट में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गये हैं। नई आशाएं व उम्मीदों के साथ राज्य के औद्योगिक विकास के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण फैसलों को शामिल किया गया है। जिससे आने वाले दिनों में स्वरोजगार की संभावनाओं को बल मिलेगा।

लखन देवांगन, उद्योग मंत्री

शिक्षा

- कॉलेजों का निर्माण और नवीनीकरण : 212 करोड़
- 24 सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेजों का उन्नयन: 50 करोड़
- बलरामपुर और राजनांदगांव में एक नए 500-सीटर आवासीय स्कूल भवन के निर्माण के लिए प्रावधान
- दिव्यांगजन के लिए शैक्षणिक संस्थान: 30 करोड़
- नवा रायपुर में एदुसिटी
- पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) : 277 करोड़
- आईटीआई का आधुनिकीकरण: 50 करोड़
- 12 नर्सिंग कॉलेज - 34 करोड़, 6 फिजियोथेरेपी कॉलेज - 6 करोड़, 75 उत्कृष्टता केंद्र के रूप में कॉलेज - 75 करोड़
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) की स्थापना 50 करोड़

महिला एवं बाल विकास

- महतारी वंदन योजना : 5,500 करोड़
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) : 800 करोड़
- कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल: 133 करोड़
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना: 100 रु
- मिशन वात्सल्य योजना : 100 करोड़
- हाई स्कूल की लड़कियों को साइकिल वितरण: 50 करोड़
- मुख्यमंत्री कन्यादान योजनाएँ 40 करोड़
- एकीकृत समर्थन सेवाएं प्रदान करने के लिए वन स्टॉप सेंटर (सखी): 20 करोड़

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन: 1,850 करोड़
- शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना: 1,500 करोड़
- प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन: 186 करोड़
- सुपर स्पेशलिटी अस्पताल : 132 करोड़
- डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल रायपुर में उन्नत कार्डियक संस्थान का विस्तार: 10 करोड़
- रायपुर में ए.आर.टी. (आईवीएफ) केंद्र की स्थापना: 10 करोड़

ऊर्जा विभाग

- कृषि पंपों को मुफ्त बिजली : 3500 करोड़
- घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में सब्सिडी: 1,000 करोड़
- प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना: 250 करोड़
- सौर ऊर्जा आधारित योजना के लिए अनुदान: 25 करोड़
- नियाद नेल्लनार योजना के तहत 40 शिविरों में 70 गांवों का विद्युतीकरण: 20 करोड़

जनजातीय

- नक्सल प्रभावित जिलों को सहायता: 220 करोड़
- जनजातीय क्षेत्रों में सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रावधान : 221 करोड़
- प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान योजना: 50 करोड़
- धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान: 30 करोड़
- पाम ऑयल की खेती: 25 करोड़

बस्तर ओलंपिक

- बस्तर और सरगुजा में होम स्टे का विकास
- जशपुर में साहसिक पर्यटन और पर्यटन सर्किट का विकास
- बस्तर और सरगुजा में मोबाइल विज्ञान प्रयोगशालाएं

प्रधानमंत्री कुसुम योजना

- नवा रायपुर में नया पावर स्टेशन: 20 करोड़

वर्तमान कीमतों पर जीएसडीपी की वृद्धि

- वर्तमान कीमतों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) आरएस5,12,107 करोड़ से बढ़कर आरएस5,67,880 करोड़ हो गया है, जो एफवाई 2024-25 में 11% की वृद्धि को दर्शाता है।
- जीएसडीपी के 2025-26 में 12% की वृद्धि के साथ आरएस 6,35,918 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि राष्ट्रीय वृद्धि 10% है।

विभिन्न योजनाओं को आवंटन

10,000 करोड़ रुपए कृषक उन्नति योजना	**8,500** करोड़ रुपए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)	**5,500** करोड़ रुपए महतारी वंदन योजना
4,500 करोड़ रुपए मुख्यमंत्री खाद्य सहायता योजना	**4500** करोड़ रुपए जल जीवन मिशन	**3,500** करोड़ रुपए 5 एचपी तक के पंप को मुफ्त बिजली
2,800 करोड़ रुपए राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना	**1981** करोड़ रुपए समग्र शिक्षा अभियान	**1850** करोड़ रुपए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
1,500 करोड़ रुपए आयुष्मान स्वास्थ्य योजना	**875** करोड़ रुपए सबके के लिए आवास	**738** करोड़ रुपए पीएम फसल बीमा योजना
500 करोड़ रुपए जनमन सड़क निर्माण योजना	**200** करोड़ रुपए मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण योजना	**100** करोड़ रुपए मिशन वात्सल्य योजना

युवा उत्थान ही हमारा संकल्प

राज्य के विकास में हमेशा युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहे है। यह वर्ष हमारे लिए राज्य निर्माण का रजत वर्ष है युवाओं प्रतिभाओं को बेहतर अवसर मिले व छत्तीसगढ़ की ख्याति सर्वत्र हो इसके लिए बजट में कई अहम पहल किये गये हैं। युवा उत्थान से ही राज्य का और उत्थान होगा। जिसके लिए बजट में विशेष प्रावधान हैं।

टंकराम वर्मा, खेल युवक कल्याण मंत्री

हमारा प्रण-समृद्ध हो छत्तीसगढ़

प्रदेश में अन्नपूर्णा नीति के माध्यम से सबको सब तक सुलभ खाद्य आपूर्ति हो इस संकल्प को पूर्ण करने वाले देश के हम पहले राज्य रहे हैं। इसी दिशा में हम लगातार बढ़ते जा रहे है। इस बजट में सब तक अन्न पहुंचे और अंत्योदय की स्थापना मजबूत कार्य हो, यही हम सबका प्रण है।

दयालदास बघेल,
खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री

मातृशक्ति का होगा उत्थान

हमारी सरकार मातृ शक्ति को समर्पित सरकार है मातृवंदन योजना से हम मातृशक्ति को और मजबूत करने की दिशा में जुटे हुए हैं। प्रदेश के समग्र विकास के लिए के कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। जिसे इस बजट में भी शामिल किया गया है। हम मातृशक्ति के उत्थान के साथ ही राज्य को अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प है।

लक्ष्मी राजवाड़े,
महिला बाल विकास मंत्री

यशस्वी प्रदेशाध्यक्ष को फिर से कमान

मुख्यमंत्री साय, राष्ट्रीय महामंत्री तावड़े, प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन सहित सभी ने दी शुभकामनाएं

भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष के रूप में किरण सिंह देव निर्वाचित घोषित कर दिए गए हैं। इसकी घोषणा भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेशाध्यक्ष चुनाव प्रभारी विनोद तावड़े ने की। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित समारोह में नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष श्री देव के सफल कार्यकाल के लिए सभी ने शुभकामनाएं दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव, विजय शर्मा सहित प्रदेश के कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने गरिमामयी उपस्थिति में श्री देव का भव्य स्वागत किया।

दायित्वों का करूंगा मजबूती से निर्वाहनः देव

नव निर्वाचित भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने इस अवसर पर कहा कि पिछली बार दायित्व मिलने के बाद ही लोकसभा चुनाव, रायपुर दक्षिण उपचुनाव, संगठन पर्व के तहत सदस्यता अभियान और संगठन के बूथ से लेकर जिला इकाइयों के चुनाव में सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों ने परिश्रम की पराकाष्ठा करके सारे संगठनात्मक कार्यक्रमों को समय पर पूर्ण किया और निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया। बूथ से लेकर जिला इकाइयों के सफल गठन किया गया।

किरण देव कुशल संगठन कर्ताः साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किरण देव का एक दीर्घकालीन संगठनात्मक कार्यों का अनुभव है। वे एक जनप्रतिनिधि के तौर पर सर्व उत्थान की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उनके पुनः प्रदेशाध्यक्ष बनने पर हम सब प्रसन्न हैं। संगठनात्मक कार्यों के विस्तार और मजबूती के लिए वे सदैव की तरह पार्टी के कार्यक्रमों का संचालन व मार्ग दर्शन करेंगे यह सभी की आकांक्षा है।

भाजपा में दायित्व जिम्मेदारी : तावड़े

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेशाध्यक्ष चुनाव प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा कि किरण देव ने अध्यक्ष का पद संभाला है। अध्यक्ष का पद संभालते ही, स्वाभाविक रूप से हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। प्रदेशाध्यक्ष के तौर पर श्री देव ने पंचायत से पार्लियामेंट तक का जो एक लक्ष्य हम सबको दिया है, वह अकेले उनका लक्ष्य नहीं है। हम सबको मिलकर इस संकल्प को सिद्ध करना है।

छत्तीसगढ़ की टीम बेहद मजबूत : नबीन

भाजपा प्रदेश प्रभारी नीतिन नबीन ने कहा कि छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के नाते किरण देव जी का कार्य पूर्व में भी उल्लेखीय रहा है और भविष्य में भी रहेगा। इससे पूर्व संगठन के सभी कार्यक्रम व सदस्यता अभियान का संचालन छत्तीसगढ़ में बेहतर हुआ है। हम सदस्यता के लक्ष्य को पूर्ण करने में सफल रहे हैं। एक बार पुनः किरण देव जी के प्रदेशाध्यक्ष का दायित्व संभालते ही प्रदेश में संगठनात्मक गतिविधियों के और मजबूती के लिए कार्य प्रारंभ हो चुका है।

राजनैतिक यात्रा

1985-86
छात्रसंघ अध्यक्ष, पीजी कॉलेज जगदलपुर

1998-02
भाजयुमो उपाध्यक्ष, बस्तर जिला

2002-05
भाजयुमो अध्यक्ष, बस्तर जिला

2002-05
भाजपा जिलाध्यक्ष, बस्तर

2005-09
भाजपा प्रदेश मंत्री

2009-14
भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

2009-14
महापौर, नगर पालिक निगम जगदलपुर

2014-20
भाजपा प्रदेश मंत्री

2020-23
भाजपा प्रदेश महामंत्री

2023
भाजपा संभाग प्रभारी, बिलासपुर

2023-28
विधायक, जगदलपुर

2023
भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, छत्तीसगढ़

2025
पुनः भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, छत्तीसगढ़

सदैव संगठन सर्वोपरिः देव

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष किरणदेव ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। वे छत्तीसगढ़ भाजपा के 15वें प्रदेशाध्यक्ष होंगे। इससे पूर्व पार्टी संगठन में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। वर्तमान में जगदलपुर शहर के विधायक हैं। उनके पुनः प्रदेशाध्यक्ष बनने के उपरांत **दीप कमल** की टीम ने उनसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

Q आपको पुनः प्रदेशाध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई, बतौर प्रदेशाध्यक्ष की दूसरी बार यह जिम्मेदारी संभालने पर आप कैसे महसूस कर रहे हैं?

A आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद, मेरा सौभाग्य है कि भारतीय जनता पार्टी में एक छोटे से कार्यकर्ता के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। ऐसे कई पड़ाव आये जब मुझे संगठन ने कई दायित्व दिये। एक जिले के अध्यक्ष से लेकर प्रदेश के अध्यक्ष बनने की यात्रा वैचारिक अनुष्ठान की वजह से ही संभव हुआ है। जिसके लिए संगठन के सारे पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का मैं सदैव आभारी रहूंगा।

Q प्रदेशाध्यक्ष के रूप में प्राथिमकाताएं क्या होंगी?

A पूरे प्रदेश में मंडल से लेकर बूथ स्तर तक हम मजबूत हों इस संकल्प के साथ हम सब जुटेंगे। केन्द्रीय संगठन की कार्ययोजना व प्रदेश के संगठनात्मक ढांचा को और मजबूत कर भाजपा को हर स्तर पर एक विशाल वैचारिक दल बनाना और नई पीढ़ी को भाजपा से जोड़ना मेरी प्राथमिकताएं होंगी जिसमें सभी सहभागी होंगे।

Q आपकी भविष्य की योजनाएं संगठन को लेकर क्या है?

A हमारे संगठन का कार्य पूरे वर्ष 365 दिन चलता है हमारे कार्यकर्ता सदैव निर्धारित कार्यक्रमों के मुताबिक कार्ययोजना बनाते हैं। केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजना व प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को जनता के बीच हम ले जायेंगे। हमारे सार्थक नीतियों से समाज में क्या बदलाव आ रहा है और क्या आना चाहिए इस दिशा में संगठन के सभी प्रमुखों के साथ मिलकर कार्य करेंगे।

Q लोकसभा के बाद नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव की जीत को आप कैसे देखते हैं?

A प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की लोकप्रियता वैश्विक स्तर पर सर्वत्र है। उनके नेतृत्व में पुनः तीसरी बार हमें केन्द्र में सरकार बनाने का अवसर प्राप्त हुआ है। हम विकास योजनाओं को सभी तक पहुंचाएं यही हमारा लक्ष्य है। नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव में भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के मार्गदर्शन में हमने विशाल विजय प्राप्त किया है। पूरे प्रदेश में भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने साबित कर दिया है कि विकास और विश्वास को लेकर भाजपा ही एक मजबूत विकल्प है। इस विजय रथ को हमारे कार्यकर्ताओं व समस्त पदाधिकारियों ने गति दिया है, जो थमने वाला नहीं है। सभी बधाई के पात्र हैं।

Q आप कार्यकर्ताओं को क्या संदेश देना चाह रहे हैं?

A हमारी पार्टी कार्यकर्ता आधारित है कार्यकर्ता हमारे आधार स्तम्भ हैं। संगठन की मजबूती के लिए हमारे कार्यकर्ता हमेशा जुटे रहते हैं। हम सब मिलकर मजबूत छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करेंगे। जिसके लिए हमें बिना विश्राम किये जुटना होगा। प्रदेश में हमारे 60 लाख की विशाल सदस्य संख्या है जो हमारी संगठन की मजबूती को और मजबूत करता है। ।•••

बढ़ती आशाओं का जनादेश

भाजपा ने पूरे प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव में जो सफलता अर्जित की है उसकी चर्चा सर्वत्र हो रही है। इस विशाल विजय के बाद पूरे प्रदेश में खुशियों का वातावरण है। कार्यकर्ता से लेकर आमजन उत्सव मना रहे हैं। प्रदेश में 10 के 10 नगर निगम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई है। नगर पालिका के 49 सीटों में से 35 अध्यक्ष निर्वाचित हुए है। नगर पंचायत के 114 सीटों के लिए हुए चुनाव में भाजपा के 81 अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। पूरे प्रदेश में भाजपा के 1868 पार्षद जीत कर आए हैं।

10/10	35/49	81/114	1868/3200
नगर निगम	नगर पालिका	नगर पंचायत	कुल भाजपा पार्षद

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश में नगर निकाय चुनाव में हुए ऐतिहासिक जनादेश को लेकर पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं व नवनिर्वाचित महापौर, अध्यक्ष, पार्षदों सहित प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पिछले नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस ने एक तरह से संविधान की हत्या कर, कानूनों को तोड़-मरोड़ कर, सत्ता का दुरूपयोग करते हुए सभी निकायों पर जबरन कब्जा कर लिया था। गलत तरह से हासिल सत्ता के बाद सभी निकायों को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया गया था। आज कांग्रेस की यह हार वास्तव में एक बार फिर कांग्रेस के प्रति छत्तीसगढ़ की जनता में उमड़ रहे आक्रोश का एक बार फिर से प्रकटीकरण है।

उन्होंने कहा कि भाजपा यह चुनाव अपनी सरकार के एक वर्ष के कामकाज से जनता में प्राप्त किये विश्वास के आधार पर ही चुनाव मैदान में थी। हमने मोदी गारंटी में किये अधिकांश वादे को अपने 14 महीने के कार्यकाल में ही पूरा किया है। एक तरह से यह उस विश्वास पर भी जनता की मुहर लगा दिया है। यह केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनता के भरोसे और आशीर्वाद की मुहर है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत छत्तीसगढ़ की जनता की जीत है। यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत की जीत है। और यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सफल नेतृत्व का सुखद प्रमाण है। यह जनादेश केवल बीते सवा साल में भाजपा सरकार द्वारा किए गए अभूतपूर्व कार्यों को देखकर दिया है। जनता ने देखा कि भाजपा केवल वादे नहीं करती, उन्हें पूरा भी करती है। यह जीत भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की विजय है। उन्होंने कहा कि हमारी समस्त नवनिर्वाचित नगरीय संस्थानों के महापौर, अध्यक्ष व पार्षद शहरी क्षेत्र के विकास के लिए अनुकरणीय कार्य करेंगे। इसका हम सबको उम्मीद है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि पूरे प्रदेश में नगरीय निकाय संस्थानों में हमारी ऐतिहासिक जीत हुई है। विकास के जिस संकल्प के साथ हम जनता के बीच गए थे, जनता ने हमें शहरों के समृद्धि की जो जिम्मेदारी

है उसे पूर्ण करना हम सबकी प्राथमिकता है। हमने जो अटल विश्वास पत्र जनता के समक्ष रखा था उसे जनता ने अपना पूर्ण समर्थन देकर हम पर पूरा भरोसा जताया है। उनके विश्वास को हम विकास के रूप में बदलकर जन अकांक्षा की पूर्ति करेंगे। उन्होंने प्रदेश में मिले ऐतिहासिक विजय के लिए कार्यकर्ताओं, पार्टी पदाधिकारियों व प्रदेशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

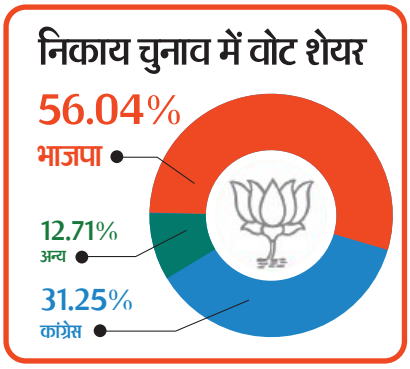

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हुए नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। प्रदेशभर में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज कर यह सिद्ध कर दिया है कि जनता ने सुशासन, विकास और पारदर्शी प्रशासन पर अपनी मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि यह जीत जनता के विश्वास, भाजपा सरकार की सुशासन नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किए गए विकास कार्यों का परिणाम है। हमने जो वादा किया था उसे पूर्ण करने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। इसी का नतीजा है कि भाजपा की विशाल विजय नगरीय निकाय चुनाव में हुई है।

भाजपा यह चुनाव अपनी सरकार के एक वर्ष के कामकाज से जनता में प्राप्त किये विश्वास के आधार पर ही चुनाव मैदान में थी। हमने मोदी गारंटी में किये अधिकांश वादे को अपने 14 महीने के कार्यकाल में ही पूरा किया है। यह उस विश्वास पर भी जनता की मुहर लगा दिया है। यह केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनता के भरोसे और आशीर्वाद की मुहर है।

भाजपा के सांसद और रायपुर नगर निगम चुनाव के संयोजक बृजमोहन अग्रवाल तथा विधायक व रायपुर नगर निगम चुनाव के सह-संयोजक राजेश मूणत ने प्रदेश समेत रायपुर नगर निगम में भाजपा को मिली ऐतिहासिक सफलता के लिए जनता-जनार्दन को नमन किया है। सांसद श्री अग्रवाल व विधायक श्री मूणत ने कहा कि यह जीत भाजपा के प्रति जनता-जनार्दन के अगाध विश्वास का परिचायक है। कांग्रेस के नेताओं ने सोचा, शायद इस बार कुछ नया भ्रम फैलाया जाए लेकिन कांग्रेसी-बदनीयती नहीं चल पाई, राजधानी के निकाय चुनाव परिणाम ने यह एकदम साफ कर दिया है।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व नगरीय निकाय चुनाव समिति के प्रदेश संयोजक भूपेन्द्र सिंह सवन्नी ने कहा कि निकाय चुनावों में इस शानदार जीत के साथ भाजपा सर्वतोमुखी विकास के साथ-साथ जन-जन के कल्याण के अपने संकल्पों को पूरा करके पूरे प्रदेश को अन्याय, आतंक, भ्रष्टाचार और छल-कपट के कांग्रेसी टूलकिट-एजेंडे से मुक्त प्रदेश बनाने का काम करेगी। भाजपा की जीत के लिए प्रदेश की जन-शक्ति का आभार मानते हुए श्री सवन्नी ने कहा कि कांग्रेसी-दुराग्रह को जनता ने पूरी तरह खारिज कर दिया है।

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने नगर निगम चुनाव में भाजपा की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता इस जीत की हकदार हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार में विकास के सारे काम तीव्र गति से हो रहे हैं। 70 लाख महिलाओं को हर महीने महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति के बाद सबका आवास बनना भी प्रारंभ हो गये हैं।

हमारे महापौर

रायपुर नगर निगम

मीनल चौबे

153290
जीत का अंतर

प्रदेश की राजधानी के मुताबिक शहर का समग्र विकास हो, यही हमारा लक्ष्य है। उन्नति के नए प्रतिमान गढ़ेंगे।

दुर्ग नगर निगम

अल्का बाघमार

67295
जीत का अंतर

सांझा संस्कृति का प्रतिक हमारा शहर उत्थान की दिशा में हमेशा गतिमान रहे, यही एक मात्र संकल्प है।

बिलासपुर नगर निगम

पूजा विधानी

66067
जीत का अंतर

बिलासा देवी की पुण्य भूमि की तस्वीर और तकदीर बदलना प्राथमिकता में है, जिसे सबके मार्ग दर्शन से पूर्ण करेंगे।

कोरबा नगर निगम

संजू देवी

48114
जीत का अंतर

ऊर्जा की धानी कोरबा में विकास कार्यक्रमों का संचालन बेहतर हो और हम सभी समृद्ध शहर के संकल्प के लिए जुटेंगे।

राजनांदगांव नगर निगम

मधुसूदन यादव

44455
जीत का अंतर

साहित्य की त्रिवेणी के रूप में विख्यात राजनांदगांव को उसके स्वरूप में मुताबिक पहचान मिले यही लक्ष्य है।

रायगढ़ नगर निगम

जीववर्धन चौहान

34365
जीत का अंतर

औद्योगिक नगरी रायगढ़ के विकास के लिए विशेष कार्ययोजना पर जुटने की जरूरत है, इसीलिए हमें जनादेश मिला है।

धमतरी नगर निगम

जगदीश रामू रोहरा

34075
जीत का अंतर

गंगरेल के मुहाने पर बसे शहर को विकास के मुख्यधारा से जोड़कर स्वच्छ, सुंदर और समृद्ध बनाना होगा।

अंबिकापुर नगर निगम

मंजूषा भगत

11063
जीत का अंतर

अद्वितीय, अद्भुत अंबिकापुर में विकास के नए पैमाने गढ़ना हमारी प्राथमिकताओं में होगा।

जगदलपुर नगर निगम

संजय पांडेय

8762
जीत का अंतर

खुशियों के चौराहों के शहर के नाम से प्रसिद्ध जगदलपुर को नई पहचान देना यही एक मूल आधार होगा।

चिरमिरी नगर निगम

रामनरेश राय

5692
जीत का अंतर

कोयलांचल के इस शहर में विकास की सारी योजनाओं का बेहतर संचालन हो इस दिशा में कार्य करेंगे।

भाजपा के संगठन जिलों में सर्वत्र खिला कमल

क्र.	जिला	निगम महापौर	निगम पार्षद	पालिका अध्यक्ष	पालिका पार्षद	पंचायत अध्यक्ष	पंचायत पार्षद	महापौर/ अध्यक्ष	पार्षद
1	रायपुर	1	60	3	37	5	34	9	131
2	बिलासपुर	1	49	1	23	3	32	5	104
3	राजनांदगांव	1	39	1	14	3	26	5	79
4	बस्तर	1	30				7	1	37
5	सरगुजा	1	31			1	18	2	49
6	कोरबा	1	45	2	27	2	18	5	90
7	रायगढ़	1	33	1	15	3	46	5	94
8	दुर्ग	1	40	2	27	3	31	6	98
9	धमतरी	1	27			4	42	5	69
10	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर	1	27	1	10	2	37	4	74
11	गौरेला पेन्ड्रा मरवाही			1	16		5	1	21
12	मुंगेली			1	21	4	37	5	58
13	जांजगीर-चांपा			2	42	4	52	6	94
14	सक्ती				10	3	38	3	48
15	सारंगढ़-बिलाईगढ़					4	51	4	51
16	सूरजपुर				8	4	27	4	35
17	बलरामपुर			2	22	2	27	4	49
18	कोरिया					1	5	1	5
19	जशपुर			1	18	2	31	3	49
20	गरियाबंद			1	9	3	39	4	48
21	बलौदाबाजार भाटापारा			2	44	3	42	5	86
22	महासमुंद			1	33	2	24	3	57
23	बालोद			2	25	5	51	7	76
24	बेमेतरा			1	13	6	79	7	92
25	खैरागढ़-छुईखदान-गंडई						15	0	15
26	मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी						8	0	8
27	कबीरधाम			2	29	5	49	7	78
28	कोण्डागांव			1	20	1	14	2	34
29	दंतेवाड़ा			3	28	2	18	5	46
30	सुकमा			1	11	1	12	2	23
31	कांकेर			1	11	3	33	4	44
32	नारायणपुर			1	13			1	13
33	बीजापुर			1	13			1	13
	कुल	**10**	**381**	**35**	**539**	**81**	**948**	**126**	**1868**

हमारी हुई जीत

सबके कर्म योग की जीत है

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेशाध्यक्ष किरण देव समेत सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। यह ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल-इंजन सरकार द्वारा क्रियान्वित हो रहीं जन-कल्याणकारी व जनजातीय-हितैषी योजनाओं पर प्रदेशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक है।

जेपी नड्डा, भाजपा राष्ट्रीयाध्यक्ष

यह प्रचंड जीत है

नगरी निकाय चुनाव में भाजपा को प्रचंड जीत मिली है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जन-जन तक विकास कार्यों की पहुँच और नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में बढ़ते कदम पर जनता की मुहर है। इस विजय के लिए जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद और प्रदेशाध्यक्ष किरण देव समेत सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएँ।

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

सभी बधाई के पात्र हैं

नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने यह साबित कर दिया है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जन भावनाओं के मुताबिक छत्तीसगढ़ का समग्र विकास हो रहा है। आप सभी कार्यकर्ता व नवनिर्वाचित नगरीय निकाय के महापौर, अध्यक्ष व पार्षद बधाई के पात्र हैं।

नीतिन नबीन, भाजपा प्रदेश प्रभारी

सबके कर्मयोग से खिला कमलः साय

छत्तीसगढ़ में हुए नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश की जनता ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व, सुशासन और विकास कार्यों पर अपनी मुहर लगा दी है।

विश्वास और विकास की जीत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अभूतपूर्व जनादेश के लिए छत्तीसगढ़ की जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि यह जीत केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनता के भरोसे और आशीर्वाद की विजय है। उन्होंने कहा कि जनता ने हमारे 14 महीनों के सुशासन को सराहा है, 'मोदी की गारंटी' की तरह ही 'अटल विश्वास पत्र' पर भी जनता ने विश्वास जताया है। हम इस भरोसे को कभी टूटने नहीं देंगे और जनता से किए गए हर वादे को पूरा करेंगे।

हर तरफ खिला कमल

नगरीय निकाय चुनाव में 10 में से 10 सीटों पर भाजपा विजयी हुई है, साथ ही 49 नगर पालिकाओं में से 35 में और 114 नगर पंचायतों में से 81 पर भाजपा की शानदार जीत हुई है। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में नगरीय निकाय में हमारे 10 में से 10 नगर निगम, 49 में से 35 नगर पालिका, 114 में से 81 नगर पंचायत व 1868 पार्षद निर्वाचित होकर आए हैं।

चाय वाले महापौर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायगढ़ नगर निगम चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि वह अपने समर्पित कार्यकर्ताओं को सम्मान देने वाली पार्टी है। जीवर्धन चौहान जो वर्षों से पार्टी के प्रति निष्ठावान रहे हैं और आज भी चाय बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, को पार्टी ने महापौर का टिकट दिया गया था। जो विजयी हुए। क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जाम्वाल से महापौर चौहान ने भेंट कर आर्शीवाद प्राप्त किया।

वार्डों का विकास प्राथमिकता में हो

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के महापौर व पार्षदों से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने कहा है कि वार्डों का समग्र विकास आप सबकी प्राथमिकता में होनी चाहिए। जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं, ताकि हर नागरिक को बुनियादी सुविधाएं सहज रूप से मिल सकें। सभी पार्षद अपने वार्ड के लोगों से निरंतर संपर्क बनाए रखें और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भाजपा को नगरीय निकाय चुनाव में ऐतिहासिक जीत मिली है, जो जनता के हमारी सरकार पर विश्वास को दर्शाता है। यह जीत संगठन के नेताओं से लेकर जमीनी कार्यकर्ताओं तक के परिश्रम का परिणाम है। अब हमें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है और अटल विश्वास पत्र में किए गए वादों को पूरा करना है। इसमें महापौर एवं पार्षदों की भूमिका सबसे अहम होगी, क्योंकि वे सीधे जनता से जुड़े हुए हैं।

प्रदेशभर में किया प्रचार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूरे प्रदेश के 10 नगर निगम क्षेत्रों में प्रचार किया जहां भाजपा को 10 में 10 नगर निगम में विजय हासिल हुई। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा, राजनांदगांव, रायगढ़, धमतरी, अंबिकापुर, जगदलपुर, चिरमिरी सहित डोंगरगढ़ में सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके साथ ही रोड शो व जन सभाएं की, जिसका जनता ने व्यापक समर्थन किया।

सबके परिश्रम की जीतः किरण देव

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा की शानदार जीत को इसे जनता-जनार्दन के भाजपा के प्रति दृढ़ विश्वास का उद्घोष बताते हुए कहा है कि कांग्रेस के तमाम झूठे वादों और झूठे प्रचार के बावजूद प्रदेश के शहरों-नगरों की जनता-जनार्दन ने भाजपा के "अटल विश्वास पत्र" में किए गए वादों पर अपना भरोसा व्यक्त किया है और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार के सुशासन पर एक बार फिर से मुहर लगाई है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री देव ने निकाय चुनावों में पार्टी की शानदार जीत को शहरी व नगरीय जनता की जीत बताया और कहा कि प्रदेश के 10 नगर निगमों में से कांग्रेस को एक भी निगम में सफलता नहीं मिली और वहाँ कांग्रेस का सूपड़ा ही साफ हो गया। प्रदेश तेजी से विकास के नित-नए आयाम गढ़ रहा है। निकाय क्षेत्रों की जनता ने एक बार फिर कांग्रेस को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने भाजपा की ऐतिहासिक जीत को विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प की जीत बताया है। प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय से जीत के उपरांत प्रदेश भर के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भेंट की।

सर्वत्र कमल

हमारी हुई जीत

नगर निगम -10

रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा, राजनांदगांव, रायगढ़, धमतरी, अंबिकापुर, जगदलपुर, चिरमिरी।

नगर पालिका - 35

आरंग, गोबरा-नवापारा, तिल्दा नेवरा, बलौदाबाजार, भाटापारा, सारायपाली, गरियाबंद, कुम्हारी, अम्लेश्वर, डोंगरगढ़, कवर्धा, पंडरिया, बालोद, दल्लीराजहरा, बेमेतरा, रतनपुर, जांजगीर नैला, चांपा, गौरेला, लोरमी, दीपका, बांकीमोंगरा, खरसिया, बलरामपुर, रामानुजगंज, जशपुर, मनेन्द्रगढ़, कांकेर, दंतेवाड़ा, किरंदुल, बचेली, कोण्डागांव, नारायणपुर, बीजापुर, सुकमा।

नगर पंचायत - 81

खरोरा, कुंरा, माना, चंदखुरी, समोदा, कसडोल, लवन, टुण्डरा, नगरी, भखारा, आमदी, कुरूद, पिथौरा, बसना, राजिम, छुरा, कोपरा, पाटन, उतई, धमधा, डोंगरगांव, छुरिया, एलबी नगर, बोड़ला, सहसपुर लोहारा, पिपरिया, पण्डातराई, इंदौरी, गुरुर, गुण्डरदेही, डौंडीलोहरा, डौंडी, चिखलाकासा, बेरला, भिंभौरी, साजा, थानखम्हरिया, परपौड़ी, दाढ़ी, कोटा, बिल्हा, मल्हार, नवागढ़, शिवरीनारायण, खरौद, राहौद, चंद्रपुर, डभरा, बाराद्वार, पथरिया, सरगांव, जरहागांव, बरेला, छुरीकला, पाली, पुसौर, लैलुंगा, धरमजयगढ़, सरिया, भटगांव, सरसींवा, पवनी, लखनपुर, विश्रामपुर, भटगांव, प्रतापपुर, जरही, वाड्रफनगर, राजपुर, पत्थलगांव, बगीचा, नईलेदरी, जनकपुर, पटना, भानुप्रतापपुर, पखांजूर, अंतागढ़, गीदम, बारसूर, फरसगांव, दोरनापाल।

ऐतिहासिक जीत के लिए धन्यवाद:साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जागरूक और दूरदर्शी जनता को इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए धन्यवाद। पिछले नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस ने एक तरह से संविधान की हत्या कर, कानूनों को तोड़-मरोड़ कर, सत्ता का दुरूपयोग करते हुए सभी निकायों पर जबरन कब्जा कर लिया था। ग़लत तरह से हासिल सत्ता के बाद सभी निकायों को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया गया था। आज कांग्रेस की यह हार वास्तव में एक बार फिर कांग्रेस के प्रति छत्तीसगढ़ की जनता में उमड़ रहे आक्रोश का एक बार फिर से प्रकटीकरण है।

उन्होंने कहा कि भाजपा यह चुनाव अपनी सरकार के एक वर्ष के कामकाज से जनता में प्राप्त किये विश्वास के आधार पर ही चुनाव मैदान में थी। हमने मोदी गारंटी में किये अधिकांश वादे को अपने 14 महीने के कार्यकाल में ही पूरा किया है। एक तरह से यह उस विश्व पर भी जनता की मुहर के रूप में इसे देखता हूं। यह केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनता के भरोसे और आशीर्वाद की मुहर है। यह साबित करता है कि भाजपा सरकार ने इन सवा साल में वह कर दिखाया है, जो कांग्रेस दशकों तक सत्ता में रहते हुए भी नहीं कर सकी। इससे पहले रायपुर दक्षिण के उपचुनाव का परिणाम भी यही संकेत देता नजर आया है कि हम जनता का विश्वास प्राप्त करने में सफल रहे हैं।

सीएम साय ने कहा कि यह जीत छत्तीसगढ़ की जनता की जीत है। यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत की जीत है। और यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हमारे नेतृत्व की सफलता का प्रमाण है। यह जनादेश केवल बीते सवा साल में भाजपा सरकार द्वारा किए गए अभूतपूर्व कार्यों को देखकर दिया है। जनता ने देखा कि भाजपा केवल वादे नहीं करती, उन्हें पूरा भी करती है।

यह जीत भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की विजय है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाखों गरीबों को सम्मानजनक आवास

मिला, महतारी वंदना योजना ने माताओं-बहनों को आर्थिक संबल प्रदान किया, और केंद्र की हर योजना का लाभ छत्तीसगढ़ की जनता तक पूरी पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ पहुँचाया गया।

सीएम श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने जो कहा, उसे कर के दिखाया। महतारी वंदना योजना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सरकार ने हर पात्र महिला को सालाना 12,000 की आर्थिक सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का काम किया। किसानों को लगातार दूसरी बार रिकॉर्ड कीमत पर रिकॉर्ड धान खरीदी, बकाया बोनस समेत 85 हजार करोड़ से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से बिना किसी लीकेज के जनता के खाते में पहुंचाया है। भाजपा सरकार ने इन सवा साल में छत्तीसगढ़ के हर वर्ग के विकास के लिए काम किया है, चाहे किसान हों, महिलाएं हों, युवा हों या व्यापारी, हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार पर सख्ती से कार्रवाई की, शराब घोटाले के दोषियों को जेल पहुंचाया, सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया और सीजीपीएससी की भर्ती प्रक्रिया को सुधारने का काम किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव की तरह निकाय चुनाव में भी घोषणा पत्र जारी किया था। उन्हें खुद भी याद नहीं रहता कि क्या घोषणाएं की उन्होंने। न तो एक भी घोषणा का पालन किया जबकि प्रदेश में भी उन्हीं की सरकार थी न ही कभी अपने कामकाज का हिसाब दिया। जबकि हमने पहले वर्ष से ही जनता को सीधे रिपोर्ट कार्ड सौंप कर अपने कामकाज का हिसाब जनादेश परब पर दिया है।

मोदी गारंटी की तरह ही निकाय चुनाव का घोषणा पत्र हमने प्रदेश निर्माता अटलजी के जन्मशताब्दी वर्ष को समर्पित किया था। हम इस अवसर पर एक बार फिर प्रदेश की जनता को विश्वास दिलाते हैं कि 'अटल विश्वास पत्र' में लिखे एक-एक शब्द के प्रति हम गंभीर हैं। केंद्र और राज्य दोनों के डबल इंजिन सरकार का लाभ नगरीय निकायों को मिलेगा और हर निकाय को हम बेहतर बनाने कृतसंकल्प हैं। निकायों में भी बदलाव दिखेगा, विकास होगा। जनता की तरक्की हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहेगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई

मैं इस विजय के लिए पार्टी के देव दुर्लभ कार्यकर्ताओं को हृदय से बधाई देना चाहता हूँ, जिन्होंने दिन-रात मेहनत कर हमारी योजनाओं और दृष्टि को घर-घर तक पहुंचाया। हमारे प्रदेश नेतृत्व ने परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए इस चुनाव को भी काफी गंभीरता से लड़ा। हमारे संगठन के रणनीतिकारों को भी हम इस विजय के लिए बधाई देते हैं। यह प्रसन्नता की बात है कि जिस तरह 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत ऐतिहासिक थी, वैसे ही इस नगरीय निकाय चुनाव में भी रिकॉर्ड बने हैं।

साय के प्रचार से कांग्रेस का किला ध्वस्त

भूपेंद्र सवन्नी

विधानसभा चुनावों में जनता ने विष्णु देव साय जी की सरकार को चुना। एक साल के भीतर इस सरकार ने अधिकांश वायदे पूरे किये। महतारी वंदन योजना ने जादू की तरह काम किया, क्योंकि इससे हर महीने एक हजार रुपए की आय की पुख्ता गारंटी महिलाओं को मिल रही है। महिलाओं की लंबी कतारें इसलिए भी लगीं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नगरीय निकाय चुनाव परिणाम के बाद जब प्रेस वार्ता ले रहे थे, तो उनकी आंखें एक खास वक्त विशेष रूप से चमकी जब वे रायपुर के नतीजे पत्रकारों को बता रहे थे। उन्होंने बताया कि पूर्व महापौर एजाज ढेबर 15 सौ वोटों से अपने ही वार्ड में हार गये हैं। इसके तुरंत बाद उन्होंने कहा कि पिछली बार अप्रत्यक्ष चुनाव हुआ था और वे महापौर बनाये गये थे। साय की यह टिप्पणी भाजपा की सूनामी वाली जीत तथा कांग्रेस की करारी हार का विश्लेषण करने के लिए सूत्र बन सकती है। पांच साल पहले अप्रत्यक्ष तरीके से निर्वाचन हुए थे। जनता की सीधी भागीदारी नहीं रही और जो हाईकमान ने चाहा, वही पार्षद महापौर बन गये। नगरीय निकायों में जब शक्ति सीधे जनता से नहीं आती और प्रसाद स्वरूप मिलती है, तो निष्ठा केवल जनता के प्रति नहीं रह जाती। उन लोगों के प्रति निष्ठावान होना होता है, जिन्होंने यहां तक पहुंचाया। यह विडंबना रही और कांग्रेस की शहरी सरकारें इससे बुरी तरह से प्रभावित हुईं।

रायपुर में अपने वार्ड में ही बुरी तरह से पूर्व महापौर की पराजय यह स्पष्ट करती है कि पार्षद के रूप में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहण ठीक तरह से नहीं हुआ, उससे पूरे शहर के विकास की तस्वीर का अंदाजा साफ लगाया जा सकता है। रायपुर सहित अधिकांश निगमों में जिस तरह से भ्रष्टाचार के मामले सामने आये, उससे शहरी सरकार की बुरी छवि जनता के बीच बनी। शराब घोटाला, खनन घोटाला, महादेव एप घोटाला, एक के बाद एक जब इनकी परतें उधड़ती गईं, जनता की निष्ठा निर्वाचित शहरी सरकार पर घटती गई। जो सूनामी आज नगरीय निकायों के रिजल्ट के रूप में सामने आई, उनकी पहली लहर उसी समय तैयार हुई थी जब जनता ने इन घोटालों के बारे में सुना। निकायों का प्रशासन लचर हो पूर्व गया था। इससे राजस्व भी भरपूर नहीं मिल पा रहा था। स्वाभाविक रूप से इससे विकास कार्य प्रभावित हुए और जनाक्रोश बढ़ता गया। विकास के जो राशि अधोसंरचना कार्यों पर व्यय होती थी, वो भी आनी कम हो गई, जनता को निगम के कार्यों के लिए सीधे लूटने का काम आरंभ हो गया, यह जनता को बुरी तरह से वखला। आक्रोश की सूनामी मजबूत होती गई।

अवैध कब्जों के मामले तेजी से बढ़े और जिस तरह से निगम प्रशासन पर ऊंगलियां उठीं, उससे यह आक्रोश और फैला। युवाओं के रोजगार के लिए पीएससी जैसे अवसर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये थे, जनता यह सब करीब से देख रही थी।

विधानसभा चुनावों में जनता ने विष्णु देव साय जी की सरकार को चुना। एक साल के भीतर इस सरकार ने अधिकांश वायदे पूरे किये। महतारी वंदन योजना ने जादू की तरह काम किया, क्योंकि इससे हर महीने एक हजार रुपए की आय की पुख्ता गारंटी महिलाओं को मिल रही है। महिलाओं की लंबी कतारें इसलिए भी लगीं।

उधर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की छवि ने भी जादू का काम किया। उनसे मिलना आसान है। मिलकर उनकी सादगी से हर कोई प्रभावित होता है। एक साल के भीतर प्रशासन को सुधारने कड़े निर्णय उन्होंने लिये। सुशासन को अपना मूलमंत्र रखा और पारदर्शिता हर स्तर पर लाने के लिए जमीनी कार्य किया। अब नगरीय निकायों में चुनाव के लिए जनता के पास गवर्नेंस के दो मंडल थे। एक तो तब की शहर सरकार, जिसके पांच साल का लेखाजोखा उनके सामने है। दूसरी ओर साय सरकार जिसने एक साल के भीतर ही मोदी की अधिकांश गारंटी को पूरा कर दिया है और इस आधार पर अपनी टीम को निकायों के नेतृत्व के लिए प्रस्तुत कर रही है। जनता ने अपना मॉडल चुन लिया। इस ऐतिहासिक जीत से विष्णु देव साय का वजन बढ़ गया है। इससे उनकी शांत और कारगर कार्यशैली पर भी मुहर जनता ने लगा दी है। अब छत्तीसगढ़ में ट्रिपल इंजन की सरकार आ गई है और उम्मीद करनी चाहिए कि विकास की रफ्तार और तेज होगी। ।•••

लेखक भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नगरीय निकाय चुनाव के प्रभारी हैं।

एकता का महाकुंभ, युग परिवर्तन की आहट

नरेन्द्र मोदी

बीते 45 दिन, प्रतिदिन, मैंने देखा, कैसे देश के कोने-कोने से लाखों-लाख लोग संगम तट की ओर बढ़े जा रहे हैं। संगम पर स्नान की भावनाओं का ज्वार, लगातार बढ़ता ही रहा। हर श्रद्धालु बस एक ही धुन में था- संगम में स्नान। मां गंगा, यमुना, सरस्वती की त्रिवेणी हर श्रद्धालु को उमंग, ऊर्जा और विश्वास के भाव से भर रही थी।

महाकुंभ संपन्न हुआ...एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। जब एक राष्ट्र की चेतना जागृत होती है, जब वो सैकड़ों साल की गुलामी की मानसिकता के सारे बंधनों को तोड़कर नव चैतन्य के साथ हवा में सांस लेने लगता है, तो ऐसा ही दृश्य उपस्थित होता है, जैसा हमने 13 जनवरी के बाद से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में देखा।

22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मैंने देवभक्ति से देशभक्ति की बात कही थी। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सभी देवी-देवता जुटे, संत-महात्मा जुटे, बाल-वृद्ध जुटे, महिलाएं-युवा जुटे, और हमने देश की जागृत चेतना का साक्षात्कार किया। ये महाकुंभ एकता का महाकुंभ था, जहां 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ गई थी।

तीर्थराज प्रयाग के इसी क्षेत्र में एकता, समरसता और प्रेम का पवित्र क्षेत्र श्रृंगवेरपुर भी है, जहां प्रभु श्रीराम और निषादराज का मिलन हुआ था। उनके मिलन का वो प्रसंग भी हमारे इतिहास में भक्ति और सद्भाव के संगम की तरह ही है। प्रयागराज का ये तीर्थ आज भी हमें एकता और समरसता की वो प्रेरणा देता है।

बीते 45 दिन, प्रतिदिन, मैंने देखा, कैसे देश के कोने-कोने से लाखों-लाख लोग संगम तट की ओर बढ़े जा रहे हैं। संगम पर स्नान की भावनाओं का ज्वार, लगातार बढ़ता ही रहा। हर श्रद्धालु बस एक ही धुन में था- संगम में स्नान। मां गंगा, यमुना, सरस्वती की त्रिवेणी हर श्रद्धालु को उमंग, ऊर्जा और विश्वास के भाव से भर रही थी।

प्रयागराज में हुआ महाकुंभ का ये आयोजन, आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए, प्लानिंग और पॉलिसी एक्सपर्ट्स के लिए, नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है।

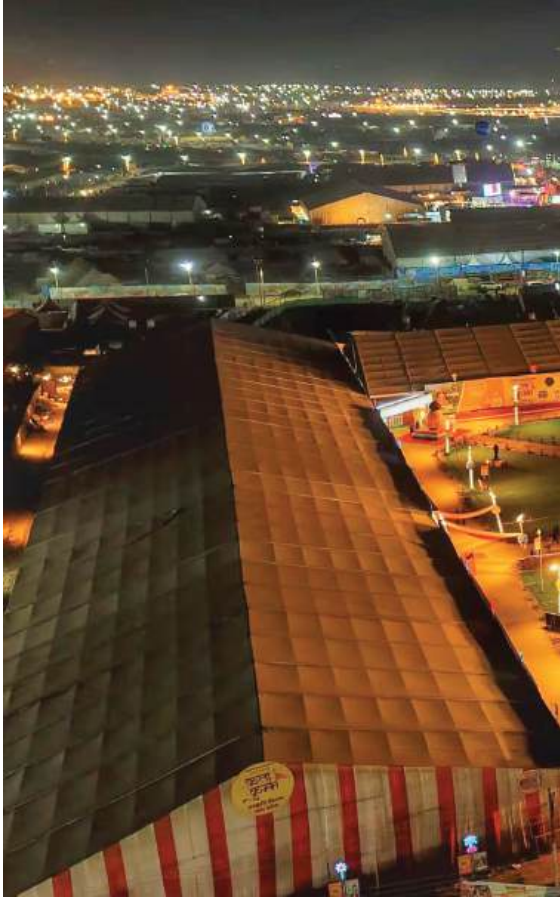

पूरी दुनिया हैरान है कि कैसे एक नदी तट पर, त्रिवेणी संगम पर इतनी बड़ी संख्या में करोड़ों की संख्या में लोग जुटे। इन करोड़ों लोगों को ना औपचारिक निमंत्रण था, ना ही किस समय पहुंचना है, उसकी कोई पूर्व सूचना थी। बस, लोग महाकुंभ चल पड़े...और पवित्र संगम में डुबकी लगाकर धन्य हो गए।

मैं वो तस्वीरें भूल नहीं सकता...स्नान के बाद असीम आनंद और संतोष से भरे वो चेहरे नहीं भूल सकता। महिलाएं हों, बुजुर्ग हों, हमारे दिव्यांग जन हों, जिससे जो बन पड़ा, वो साधन करके संगम तक पहुंचा।

और मेरे लिए ये देखना बहुत ही सुखद रहा कि बहुत बड़ी संख्या में भारत की आज की युवा पीढ़ी प्रयागराज पहुंची। भारत के युवाओं का इस तरह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए आगे आना, एक बहुत बड़ा संदेश है। इससे ये विश्वास दृढ़ होता है कि भारत की युवा पीढ़ी हमारे संस्कार और संस्कृति की वाहक है और इसे आगे ले जाने का दायित्व समझती है और इसे लेकर संकल्पित भी है, समर्पित भी है।

इस महाकुंभ में प्रयागराज पहुंचने वालों की संख्या ने निश्चित तौर पर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। लेकिन इस महाकुंभ में हमने ये भी देखा कि जो प्रयाग नहीं पहुंच पाए, वो भी इस आयोजन से भाव-विभोर होकर जुड़े। कुंभ से लौटते हुए जो लोग

त्रिवेणी तीर्थ अपने साथ लेकर गए, उस जल की कुछ बूंदों ने भी करोड़ों भक्तों को कुंभ स्नान जैसा ही पुण्य दिया। कितने ही लोगों का कुंभ से वापसी के बाद गांव-गांव में जो सत्कार हुआ, जिस तरह पूरे समाज ने उनके प्रति श्रद्धा से सिर झुकाया, वो अविस्मरणीय है।

ये कुछ ऐसा हुआ है, जो बीते कुछ दशकों में पहले कभी नहीं हुआ। ये कुछ ऐसा हुआ है, जो आने वाली कई-कई शताब्दियों की एक नींव रख गया है।

प्रयागराज में जितनी कल्पना की गई थी, उससे कहीं अधिक संख्या में श्रद्धालु वहां पहुंचे। इसकी एक वजह ये भी थी कि प्रशासन ने भी पुराने कुंभ के अनुभवों को देखते हुए ही अंदाजा लगाया था। लेकिन अमेरिका की आबादी के करीब दोगुने लोगों ने एकता के महाकुंभ में हिस्सा लिया, डुबकी लगाई।

आध्यात्मिक क्षेत्र में रिसर्च करने वाले लोग करोड़ों भारतवासियों के इस उत्साह पर अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि अपनी विरासत पर गौरव करने वाला भारत अब एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। मैं मानता हूं, ये युग परिवर्तन की वो आहट है, जो भारत का नया भविष्य लिखने जा रही है।

महाकुंभ की इस परंपरा से, हजारों वर्षों से भारत की राष्ट्रीय चेतना को बल मिलता रहा है। हर पूर्णकुंभ में समाज की उस समय की परिस्थितियों पर ऋषियों-मुनियों, विद्वत् जनों द्वारा 45 दिनों तक मंथन होता था। इस मंथन में देश को, समाज को नए दिशा-निर्देश मिलते थे।

इसके बाद हर 6 वर्ष में अर्धकुंभ में परिस्थितियों और दिशा-निर्देशों की समीक्षा होती थी। 12 पूर्णकुंभ होते-होते, यानि 144 साल के अंतराल पर जो दिशा-निर्देश, जो परंपराएं पुरानी पड़ चुकी होती थीं, उन्हें त्याग दिया जाता था, आधुनिकता को स्वीकार किया जाता था और युगानुकूल परिवर्तन करके नए सिरे से नई परंपराओं को गढ़ा जाता था।

144 वर्षों के बाद होने वाले महाकुंभ में ऋषियों-मुनियों द्वारा, उस समय-काल और परिस्थितियों को देखते हुए नए संदेश भी दिए जाते थे। अब इस बार 144 वर्षों के बाद पड़े इस तरह के पूर्ण महाकुंभ ने भी हमें भारत की विकासयात्रा के नए अध्याय का संदेश दिया है। ये संदेश है- विकसित भारत का।

144 वर्षों के बाद होने वाले महाकुंभ में ऋषियों-मुनियों द्वारा, उस समय-काल और परिस्थितियों को देखते हुए नए संदेश भी दिए जाते थे। अब इस बार 144 वर्षों के बाद पड़े इस तरह के पूर्ण महाकुंभ ने भी हमें भारत की विकासयात्रा के नए अध्याय का संदेश दिया है। ये संदेश है- विकसित भारत का।

जिस तरह एकता के महाकुंभ में हर श्रद्धालु, चाहे वो गरीब हों या संपन्न हों, बाल हो या वृद्ध हो, देश से आया हो या विदेश से आया हो, गांव का हो या शहर का हो, पूर्व से हो या पश्चिम से हो, उत्तर से हो दक्षिण से हो, किसी भी जाति का हो, किसी भी विचारधारा का हो, सब एक महायज्ञ के लिए एकता के महाकुंभ में एक हो गए। एक भारत-श्रेष्ठ भारत का ये चिर स्मरणीय दृश्य, करोड़ों देशवासियों में आत्मविश्वास के साक्षात्कार का महापर्व बन गया। अब इसी तरह हमें एक होकर विकसित भारत के महायज्ञ के लिए जुट जाना है।

मुझे वो प्रसंग भी याद आ रहा है जब बालक रूप में श्रीकृष्ण ने माता यशोदा को अपने मुख में ब्रह्मांड के दर्शन कराए थे। वैसे ही इस महाकुंभ में भारतवासियों ने और विश्व ने भारत के सामर्थ्य के विराट स्वरूप के दर्शन किए हैं। हमें अब इसी आत्मविश्वास से एक निष्ठ होकर, विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आगे बढ़ना है। ।•••

विश्व मंच पर सर्वत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वीकार्यता

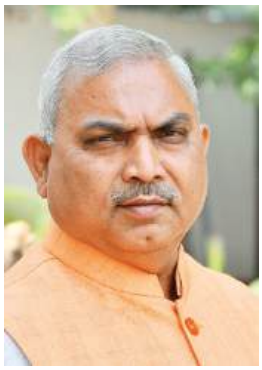

शिवप्रकाश

देश की बागडोर 2014 में संभालने के पश्चात एक दशक की अवधि में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया के 20 देशों ने अब तक अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। सम्मान देने वाले देशों में अमेरिका, यूरोपीय देश, रूस एवं कैरेबियाई देशों सहित अफगानिस्तान, सऊदी अरब, कुवैत जैसे मुस्लिम देश भी हैं।

विश्व जब कोरोना महामारी से ग्रसित था, तब प्रत्येक देश के सम्मुख अपने नागरिकों को बचाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। ऐसे समय में भी 'जान भी - जहान भी' का उद्घोष कर अपने देश के नागरिकों को बचाते हुए कोरोना पीड़ित देशों के सहयोग का संकल्प कर 98 देशों को वैक्सीन मैत्री के अंतर्गत वैक्सीन उपलब्ध कराने का सराहनीय कार्य किया। अपने पड़ोसी देशों भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका, मालदीव सहित ओमान, बहरीन, मॉरीशस, सेशेल्स और निकारागुआ को निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराई। यह हमारी संस्कृति के आदर्श वाक्य 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' को ही चरितार्थ करता है।

देश की बागडोर 2014 में संभालने के पश्चात एक दशक की अवधि में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया के 20 देशों ने अब तक अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। सम्मान देने वाले देशों में अमेरिका, यूरोपीय देश, रूस एवं कैरेबियाई देशों सहित अफगानिस्तान, सऊदी अरब, कुवैत जैसे मुस्लिम देश भी हैं। भारतीय लोकतंत्र में हुए समस्त प्रधानमंत्रियों की तुलना में प्रधानमंत्री मोदी जी को सर्वाधिक नागरिक सम्मान मिले हैं, जो भारत एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति विश्व में बढ़ते प्रभाव का परिचायक है।

विश्व नेतृत्व का भारत के प्रति यह आदर भाव 10 वर्ष में बढ़ती भारत की साख एवं मोदी जी के मैत्री पूर्ण व्यवहार के कारण है। प्रधानमंत्री मोदी ने पंचामृत (समृधि, सुरक्षा, सम्मान, संवाद, सभ्यता एवं संस्कृति) के आधार पर विदेश नीति का खाका तैयार किया जिसमें भारतीय हित सर्वोपरि था। अब तक दुनिया के 6 महाद्वीपों के 59 देशों की यात्रा कर भारत के साथ उन देशों के संबंध बनाने एवं भारतीय हितों को साधने का प्रयास किया है। विश्व जब कोरोना महामारी से ग्रसित था, तब प्रत्येक देश के सम्मुख अपने नागरिकों को बचाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। ऐसे समय में भी 'जान भी जहान भी' का उद्घोष कर अपने देश के नागरिकों को बचाते हुए कोरोना पीड़ित देशों के सहयोग का संकल्प कर 98 देशों को वैक्सीन मैत्री के अंतर्गत वैक्सीन उपलब्ध कराने का सराहनीय कार्य किया। अपने पड़ोसी देशों भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका, मालदीव सहित ओमान, बहरीन, मॉरीशस, सेशेल्स और निकारागुआ को निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराई। यह हमारी संस्कृति के आदर्श वाक्य 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' को ही चरितार्थ करता है।

भारत से बाहर अन्य देशों में जाकर रहने वाले प्रवासी भारतीयों का उनके देशों के विकास में योगदान, भारत के विकास में उनकी भूमिका एवं भारतीय संस्कृति के विस्तार में योगदान अति महत्वपूर्ण कार्य है। यहां की लोकतांत्रिक प्रणाली में भी वह महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। भारतीय डायस्पोरा के इस महत्व को पीएम मोदी ने समझा। इस कारण वह दुनिया के जिस देश में गए, वहां भारतीय समुदाय को संबोधित कर भारत के साथ जुड़ने का कार्य उन्होंने किया। इस कारण भारतीय समुदाय की विश्व में प्रभावी आवाज बनी। मानवीय एवं प्राकृतिक आपदाओं के समय प्रवासी भारतीयों को सुरक्षित लाने का कार्य जिस कुशलता के साथ भारत ने किया, उससे प्रत्येक प्रवासी नागरिक भारतीय होने पर गर्व का अनुभव करता है। भारत की अध्यक्षता में हुई जी-20 समिट के अवसर पर भारतीय संस्कृति का संदेश देने में भारत ने सफलता प्राप्त की। भारत के अलग-अलग शहरों में अलग-अलग विषयों पर समिट करा भारत को विश्व से जोड़ने एवं विश्व प्रतिनिधियों को भारत में जी-20 के अवसर पर मिले आदरपूर्ण व्यवहार ने विश्व को प्रभावित करने का कार्य किया। अफ्रीकी यूनियन के देशों

को जी-20 में स्थाई सदस्यता दिलाने का ऐतिहासिक कार्य मोदी जी ने किया। विकास की दौड़ में पिछड़े हुए ग्लोबल साउथ के देशों की आवाज को मुखर करने का कार्य प्रधानमंत्री मोदी ने किया। पाकिस्तान से आतंकवादी हमला होने पर सर्जिकल स्ट्राइक एवं एयर स्ट्राइक करके हमने विश्व में सक्षम एवं शक्तिशाली देश की छवि बनाने में सफलता प्राप्त की है। आतंकवाद अच्छा या बुरा नहीं होता, केवल आतंकवाद ही होता है और यह मानवता के लिए खतरा है, यह बात संपूर्ण विश्व को समझाने में पीएम मोदी ने सफलता प्राप्त की है। वैश्विक समस्याओं जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर पहल एवं भारत की अग्रणी भूमिका, आर्थिक दृष्टि से सक्षम भारत बनाने के लिए आत्मनिर्भरता आदि के कारण भारत की विश्वसनीय देश की छवि बनी है। प्रधानमंत्री मोदी का प्रत्येक समस्या पर सकारात्मक एवं शांतिपूर्ण समाधान कारक दृष्टिकोण होने के कारण सभी समस्याओं के समाधान में भारत की भूमिका है, यह दुनिया का प्रत्येक नेता मानता है। यूक्रेन-रूस में मोदी ही समझौता करा सकते हैं, ऐसा युद्धरत देशों का यह विश्वास इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। हमने विश्व को युद्ध नहीं बुद्ध दिया है। यह मार्ग ही विश्व में शांति ला सकता है। प्रत्येक समस्या का समाधान युद्ध से नहीं संवाद से ही संभव है, यही प्रधानमंत्री मोदी का संदेश है। सरीच कल्याण की लिए मोदी सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियां, विश्व स्तरीय बनता हमारा ढांचागत विकास, उभरती अर्थव्यवस्था एवं विकसित भारत का हमारा संकल्प इन्हीं सबने प्रधानमंत्री मोदी की विश्व के अग्रणी नेताओं की प्रथम पंक्ति में लाकर खड़ा किया है। दुनिया के अलग-अलग देशों से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार उनको वैश्विक छवि पर सशक्त हस्ताक्षर है। भविष्य का भारत विकास एवं विरासत के आधार पर खड़ा होकर विश्व को आलोकित करेगा, यह विश्वास है। ।•••

भारत से बाहर अन्य देशों में जाकर रहने वाले प्रवासी भारतीयों का उनके देशों के विकास में योगदान, भारत के विकास में उनकी भूमिका एवं भारतीय संस्कृति के विस्तार में योगदान अति महत्वपूर्ण कार्य है। यहां की लोकतांत्रिक प्रणाली में भी वह महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं।

लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।

हमेशा आरक्षण के विरुद्ध रहा है नेहरु-गांधी परिवार

नारायण चंदेल

जिस भारतीय संविधान की किताब लहराते कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल संविधान की दुहाई देते प्रलाप कर रहे हैं, उनके राजनीतिक चरित्र की सच्चाई से देश को अवगत कराया जाना आज बेहद जरूरी है। देश 1947 में आजाद हुआ। 57 वर्ष केंद्र में कांग्रेस सरकार के रहते हुए संविधान दिवस नहीं मनाया गया।

इन दिनों भारतीय संविधान, संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर और संविधान में वर्णित आरक्षण की व्यवस्था को लेकर दो तरह की, सकारात्मक और नकारात्मक राजनीति चल रही है। एक तरफ संविधान, डॉ. अम्बेडकर और आरक्षण को लेकर भाजपा संवेदनशीलता का परिचय देकर सकारात्मक राजनीति कर रही है, वहीं इन मुद्दों को लेकर नित-नए झूठ गढ़कर कांग्रेस और उसके नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन देश में भ्रम फैलाने की नकारात्मक राजनीति कर रहा है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी पूरे देशभर में 11 से 26 जनवरी तक भारतीय संविधान के 75वें वर्ष की गौरवशाली यात्रा के मौके पर जन-जन तक कांग्रेस व विपक्षी दलों की अराजकतावादी सोच से उपजी नकारात्मक राजनीति के सच को पहुँचाने का एक बड़ा कार्यक्रम 'संविधान गौरव अभियान' चला रही है।

जिस भारतीय संविधान की किताब लहराते कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल संविधान की दुहाई देते प्रलाप कर रहे हैं, उनके राजनीतिक चरित्र की सच्चाई से देश को अवगत कराया जाना आज बेहद जरूरी है। देश 1947 में आजाद हुआ। 57 वर्ष केंद्र में कांग्रेस सरकार के रहते हुए संविधान दिवस नहीं मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 से शासकीय स्तर पर संविधान दिवस मनाना प्रारंभ किया। उसके बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2015 में संसद के दोनों सदनों में संविधान पर चर्चा कराने का निर्णय किया, जिसका कांग्रेस ने विरोध किया। 2010 में, जब संविधान के 60 वर्ष पूरे हुए, तो गुजरात में अपने कार्यकाल के दौरान, तत्कालीन मुख्यमंत्री के तौर पर श्री मोदी ने संविधान गौरव यात्रा आयोजित की। इस यात्रा में संविधान की प्रति को हाथी के मस्तक पर रखकर पूरे शहर में निकालकर सम्मानित किया गया।

कांग्रेस ने संविधान को अपनाने के बाद 90 मौकों पर निर्वाचित सरकारों को बर्खास्त करने के लिए अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग किया, जिससे संविधान का मजाक उड़ाया गया। इतना ही नहीं, देश पर आपातकाल थोपकर संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों पर डाका डाला गया, देश को जेल बना डाला और लाखों निरपराध राजनीतिक, स्वयंसेवी और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेलों में ढूँसकर उन्हें अमानवीय यंत्रणा दी गई। संविधान की रक्षा के नाम पर आज जो कांग्रेस पाखण्ड प्रदर्शित कर रही है, उसी कांग्रेस ने आपातकाल में न केवल संविधान में मनमाने संशोधन किए, अपितु संसद में विपक्ष की गैर मौजूदगी में संविधान की प्रस्तावना तक को बदल देने का पाप करने में हिचक महसूस नहीं की थी। डॉ. अंबेडकर और संविधान सभा ने संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण को मान्यता नहीं दी थी, फिर भी ओबीसी कोटा से आंध्र प्रदेश में 4%, केरल में 8% और तमिलनाडु में 3.5% आरक्षण मुस्लिम समुदाय को देकर संविधान का उल्लंघन किया।

जिस आरक्षण को खत्म कर दिए जाने का प्रलाप कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में किया था, उसी कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी हालिया अमेरिकी यात्रा के दौरान कहा है कि 'केंद्र की सत्ता में पूर्ण बहुमत में आने पर हम आरक्षण हटा देंगे।' यह वही राग है जो राहुल गांधी का परिवार नेहरू के जमाने से अलापता आ रहा है। कांग्रेस पार्टी ने 57 वर्षों तक देश पर शासन किया, लेकिन इस दौरान उसने अपने राजनीतिक उद्देश्यों को साधने के लिए संवैधानिक प्रक्रियाओं का दुरुपयोग किया और सामाजिक उद्देश्यों की उपेक्षा की। कांग्रेस ने कभी भी संविधान के मूलभूत आरक्षण सिद्धांतों को सही भावना और रूप में लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई। यह एक सच्चाई है कि नेहरू सरकार ने 1956 में पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने की काका कालेलकर रिपोर्ट को खारिज कर दिया। इतना ही नहीं, नेहरू

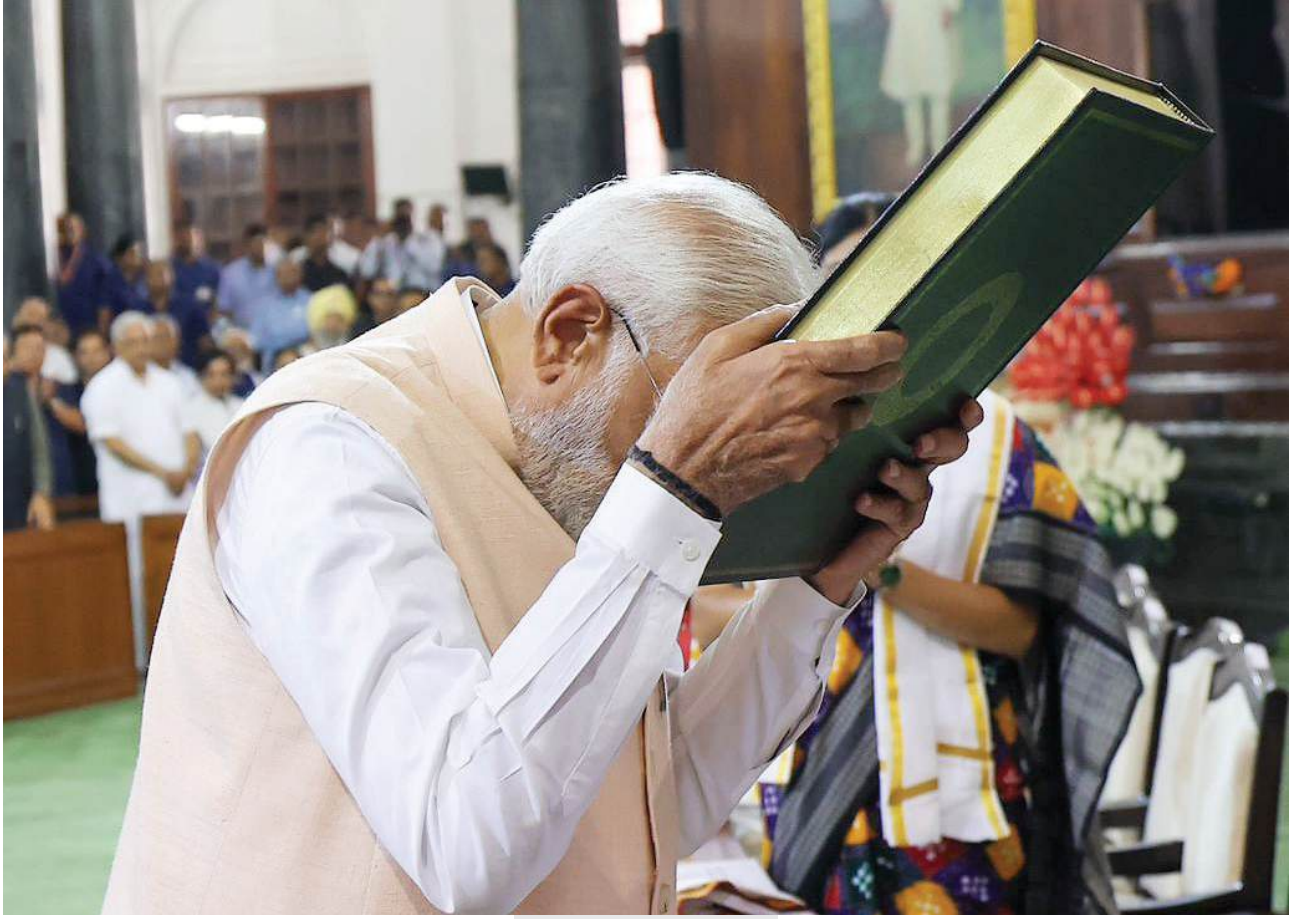

ने 1961 में मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर कहा कि आरक्षण से अक्षमता और दोयम दर्जे का मानक पैदा होता है। पं. नेहरू ने डॉ. अंबेडकर के सामाजिक व राजनैतिक जीवन को समाप्त करने का षड्यंत्र तक किया और 1952 में लोकसभा चुनाव और 1954 में लोकसभा उपचुनाव में डॉ अंबेडकर को हराने का पाप किया। इंदिरा गांधी ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डालकर ओबीसी आरक्षण में देरी की। उनके बाद कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने 3 मार्च, 1985 को एससी आरक्षण पर टिप्पणी करते हुए यह कहा था कि आरक्षण के माध्यम से हमें बुद्धओं को बढ़ावा नहीं देना चाहिए।

अल्पसंख्यक संस्थान और आरक्षण

जामिया मिलिया (2011) और एएमयू (1981) जैसे सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों को अल्पसंख्यक संस्थानों के रूप में वर्गीकृत किया गया, जिससे अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ों को आरक्षण देने से इनकार कर दिया गया। 93वें संवैधानिक संशोधन (2005) के तहत अल्पसंख्यक संस्थानों को आरक्षण प्रदान करने से छूट दी गई। इस एक कदम से सैकड़ों संस्थानों से पिछड़े समुदायों के अधिकार छीन लिए गए। राजीव गांधी ने मंडल आयोग की रिपोर्ट का विरोध किया और 1990 में लोकसभा में आरक्षण का पुरजोर विरोध किया और मुसलमानों को आरक्षण देने की वकालत की, जो बाबासाहेब के मूल संविधान के खिलाफ था।

जिस आरक्षण को खत्म कर दिए जाने का प्रलाप कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में किया था, उसी कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी हालिया अमेरिकी यात्रा के दौरान कहा है कि 'केंद्र की सत्ता में पूर्ण बहुमत में आने पर हम आरक्षण हटा देंगे।' यह वही राग है जो राहुल गांधी का परिवार नेहरू के जमाने से अलापता आ रहा है। कांग्रेस पार्टी ने 57 वर्षों तक देश पर शासन किया, लेकिन इस दौरान उसने अपने राजनीतिक उद्देश्यों को साधने के लिए संवैधानिक प्रक्रियाओं का दुरुपयोग किया और सामाजिक उद्देश्यों की उपेक्षा की।

भारतीय संविधान के प्रति भाजपा का संवेदनशील दृष्टिकोण

धारा 370 और 35 अ को समाप्त कर जम्मू कश्मीर के अनुसूचित जाति वर्ग को 70 वर्ष बाद सामाजिक न्याय व सम्मान देने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने किया। कांग्रेस के शासनकाल में 1966 से 1977 तक, संविधान में 25 बार संशोधन हुए। 42वें संशोधन में 41 अनुच्छेदों में संशोधन करके और 11 नए अनुच्छेद जोड़े गए। 2014 के बाद मोदी जी के कार्यकाल में संविधान में केवल आठ बार संशोधन हुआ था। यह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए किया गया था।

इनमें कुछ महत्वपूर्ण संशोधन निम्नानुसार हैं

- 2017 में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) को संवैधानिक दर्जा दिया गया।
- 2019 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण की शुरुआत।
- 2019 में वित्त आयोग और संविधान की छठी अनुसूची से संबंधित प्रावधानों में संशोधन।
- 2019 में लोकसभा और विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) आरक्षण का 10 वर्षों के लिए विस्तार किया गया।
- 2021 में राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को ओबीसी सूची में परिवर्तन करने का अधिकार प्रदान किया गया। |•••

लेखक छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष हैं।

सादर नमन...

भाजपा एकात्म मानववाद के प्रणेता, प्रखर राष्ट्रवादी, उत्कृष्ट संगठनकर्ता पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की 57वीं पुण्यतिथि पर छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, रायपुर के स्मृति मंदिर में उनकी प्रतिमा पर क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल, संगठन महामंत्री पवन साय ने पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रदेश में नए रोजगार होंगे सृजितः श्रीवास्तव

भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने प्रदेश सरकार को बजट प्रावधानों का स्वागत करते हुए कहा कि किसानों के हित को ध्यान में रखकर छत्तीसगढ़ सरकार के बजट में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की घोषणा करके 46 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। इससे राज्य में सूक्ष्म और लघु खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को आर्थिक सहायता मिलेगी। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है, जहां धान, दालें, तिलहन और अन्य खाद्य पदार्थों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। इन उत्पादों के उचित भंडारण, प्रसंस्करण और विपणन की उचित व्यवस्था न होने के कारण किसानों को उचित लाभ नहीं मिल पाता। इसीलिए सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए यह योजना शुरू की है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और किसानों को उनके उत्पादों का सही मूल्य मिल सकेगा।

स्वास्थ्य सेवाएं और होगी बेहतर : रामू रोहरा

भाजपा के प्रदेश महामंत्री जगदीश रामू रोहरा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने इस बजट में न केवल खाद्य सुरक्षा के लिए 5,326 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 1800 करोड़, डॉ. आंबेडकर अस्पताल के कार्डियक सर्जरी विभाग के विस्तार के लिए 10 करोड़ और डॉ भीमराव आंबेडकर अस्पताल में उपकरणों के लिए 20 करोड़ का प्रावधान करने के साथ ही सरोना रायपुर में 100 बिस्तर अस्पताल बनाने की घोषणा करके प्रदेश सरकार ने छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सुविधा से समृद्ध बनाने का काम कर रही है। श्री रोहरा ने कहा कि बजट 2025 में राज्य के युवाओं और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत खेल सुविधाओं के विस्तार की घोषणा से राज्य में खेल संस्कृति को मजबूती मिलेगी और युवा खिलाड़ियों को अपने हुनर को निखारने का बेहतर मंच उपलब्ध होगा।

संस्कृतिक धरोहरों का होगा संरक्षण : मरकाम

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष विकास मरकाम ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट सुशासन और अंत्योदय को ध्यान में रखकर तैयार किया गया बजट है। जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी प्रभावी लाभ प्रदान करने वाला है। यह बजट आदिवासियों के समावेशी विकास को लक्ष्य में रखकर जारी किया गया है। इस बजट में युवाओं, महिलाओं, माताओं एवं बुजुर्गों के लिए कई क्रांतिकारी घोषणाएं की गई है जिससे प्रदेश की 32 प्रतिशत आबादी के मन में न केवल उत्साह बढ़ेगा बल्कि छत्तीसगढ़ के विकास गाथा में आदिवासी समाज अपना योगदान बढ़ चढ़ कर दे सकेंगे। विकास मरकाम ने कहा छत्तीसगढ़ सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में आदिवासी समुदाय के सशक्तिकरण और उनकी सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ की हैं।

उत्थान को मिलेगी नई पहचान : वर्मा

भाजपा प्रदेश महामंत्री भरत लाल वर्मा ने बजट को ऐतिहासिक एवं प्रदेश के विकास को नई ऊंचाईयों पर ले जाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि इस बजट में गांव, गरीब, किसान, नारी शक्ति एवं नौजवान साथियों के जीवन में मूलभूत बदलाव के लिए कई दूरगामी घोषणाएं की गई जो विष्णु देव साय सरकार की प्रदेश के लिए विजन को दर्शाता है। साथ ही यह बजट केंद्र के मोदी सरकार के साथ डबल इंजन की रफ्तार से बढ़ने के ईंधन की तरह है। भरत लाल वर्मा ने कहा कि कृषि बजट में 33 प्रतिशत की वृद्धि, सिंचाई परियोजनाओं के लिए 300 करोड रुपए, कृषि उन्नति योजना के लिए 10 हजार करोड़ का प्रावधान किया है जो कृषकों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को व्यक्त करता है। यह बजट प्रदेश के समग्र विकास को समर्पित है। हमने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद जो भी वादे किए थे उसे निभाया है और निभा रहे हैं।

संत परंपरा बहुत समृद्ध : अमित शाह

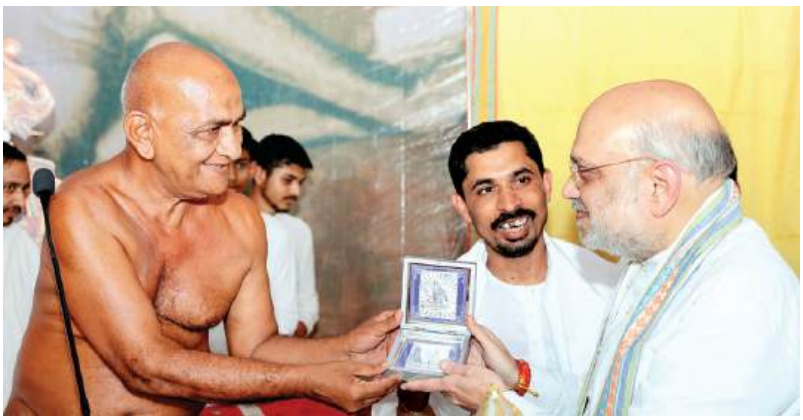

भाजपा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ चंद्रगिरी में आयोजित प्रथम समाधि स्मृति महोत्सव में शामिल हुए। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समाधि स्थल पर शाह ने पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत के संतों ने देश की संस्कृति, एकता को संरक्षित करने और ज्ञान फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सभी लोगों को एक करने का काम जैन मुनियों ने किया है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि "आचार्य जी का जीवन धर्म, संस्कृति और राष्ट्र को समर्पित है।" उन्होंने कहा कि "आजादी के बाद जब देश और सरकार पश्चिमी विचारों से प्रभावित होने लगे, तब जैन संत स्वर्गीय आचार्य विद्यासागर महाराज एकमात्र ऐसे संत थे, जो भारत, भारतीयता, भारतीय संस्कृति, हमारे धर्म और हमारी भाषाओं की रक्षा करते रहे। हमारे देश की संत परंपरा बहुत समृद्ध है। इसके साथ ही उन्होंने मां बम्लेश्वरी के मंदिर परिसर में जाकर भी विशेष पूजा-अर्चना की।

बजट से सभी वर्गों का उत्थानः मार्कण्डेय

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष नवीन मार्कण्डेय ने विष्णुदेव साय सरकार के द्वारा प्रस्तुत द्वितीय बजट की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह बजट छत्तीसगढ़ के विकास को गति देने वाला बजट है। बजट में सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पशुपालन, आवास सभी विभागों पर फोकस किया गया है। इसके साथ ही शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए एक नए संस्थान एनआईएफटी बनाने का प्रावधान किया गया है। नया रायपुर में मेडिसिटी एवं एजुकेशन सिटी की स्थापना से युवाओं को रोजगार की उपलब्धता बढ़ेगी साथी नया रायपुर में शहरी प्रबंधन संस्थान की स्थापना से सभी को लाभ मिलेगा। इस बजट से छत्तीसगढ़ के विकास की तस्वीर बदलेगी। जिन संकल्पों के साथ प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है उसे पूर्ण करना हम सबकी जिम्मेदारी है।

लखपति दीदी योजना को मिलेगा प्रोत्साहनः राजपूत

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष शालिनी राजपूत ने प्रदेश सरकार के बजट का स्वागत करते हुए कहा कि महिला एवं बाल विकास के लिए 5,500 करोड़ रुपए का प्रावधान करके प्रदेश सरकार ने संवेदनशीलता का परिचय दिया है। नए आंगनबाड़ी बनाने 42 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। नारी शक्ति के उत्थान के लिए संकल्पित प्रदेश सरकार ने इस वर्ष नारी के उत्थान के लिए 5 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। रेडी टू इट का कार्य पुनः महिला स्व सहायता समूहों को देना प्रारंभ कर दिया है। वहीं आने वाले समय में 8 लाख समूहों की महिलाओं को लखपति दीदी बनाए जाने का लक्ष्य है। चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर के स्त्री रोग विभाग में नया आईवीएफ सेंटर बनाने की घोषणा करके प्रदेश सरकार ने प्रदेश की महिलाओं के प्रति अपने संवेदनशील दृष्टिकोण का परिचय दिया है।

संग्रहणीय अंक : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया एक्स पर छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के मुखपत्र 'दीप कमल' का 'संविधान गौरव अभियान' पर केंद्रित नवीनतम अंक की प्रसंशा की। उन्होंने कहा कि भारतीय गणतंत्र के अमृत काल पूर्ण होने के सुअवसर पर प्रकाशित इस विशेष संस्करण में, संविधान के विरुद्ध किए जा रहे दुष्प्रचार का तथ्यात्मक और तर्कसंगत प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया गया है। संविधान के वास्तविक मूल्यों और सिद्धांतों को समझने के लिए 'दीप कमल' पत्रिका का यह अंक संग्रहणीय है। इसे अवश्य पढ़ना चाहिये।

प्रदेश में शिक्षा से आएगी समृद्धिः भारती

भाजपा के प्रदेश महामंत्री रामजी भारती ने कहा प्रदेश सरकार के बजट में शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि स्कूल और कॉलेजों में 20 हजार शिक्षकों की नई भर्ती होगी। 17 नगरीय निकायों में नालंदा परिसर की स्थापना के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान करके प्रदेश सरकार ने अध्ययनशीलता को बढ़ावा देने का उल्लेखनीय कार्य कर रही है। नई योजना 'मुख्यमंत्री गृह प्रवेश' की शुरुआत कर इसके लिए 100 करोड़ रुपये का आवंटन एक महत्वपूर्ण घोषणा है। इस बार का बजट 'GATI' थीम पर बजट पेश किया गया हैं। गति मतलब G का अर्थ गुड गवर्नेंस, A अर्थ एक्सलेरेटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, T का अर्थ टेक्नोलॉजी और I का मतलब इंडस्ट्रियल ग्रोथ से है। इसके पहले GYAN थीम पर बजट पेश हुआ था।

पंचायतों में हुई हमारी जीत : सिंह

पूर्व विधायक व पंचायत चुनाव प्रदेश प्रभारी सौरभ सिंह ने कहा कि त्रि-स्तरीय पंचायती व्यवस्था में भाजपा को पूरे प्रदेश में व्यापक जीत मिली है। हम पंचायत से पार्लियामेंट तक लगातार मजबूत होते जा रहे हैं और गांवों के विकास के संकल्प को पूर्ण करने की दिशा में हम आगे बढ़ते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हम लगातार विजय हासिल कर रहे हैं जिससे राज्य की प्रगति को नई दिशा मिलेगी। प्रदेश के 33 जिलों में करीब 320 जिला पंचायत सदस्य चुनाव जीतकर आयें हैं। जो पार्टी से अधिकृत किये गये थे। इनमें से 16 जिलों के जिला पंचायत के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष भाजपा के निर्वाचित हुए। इसके साथ ही अन्य जिलों में भी हमारी स्थिति मजबूत है जिन जिलों में चुनावी प्रक्रिया होने को है। इसके साथ ही जनपद पंचायत चुनाव व सरपंच, वार्ड-पंच में भाजपा समर्थित उम्मीदवार बड़ी संख्या में विजय हासिल किये हैं।

प्रदेश में खिला सर्वत्र कमल : ठाकुर

भाजपा रायपुर जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा को रायपुर शहर जिले में जनता का व्यापक जनसमर्थन मिला है। हमारे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से हम ऐतिहासिक जीत हासिल की है। राजधानी रायपुर को और सुंदर, समृद्ध बनाने की दिशा में हम सब जुटेंगे। महापौर श्रीमती मीनल चौबे सहित पार्षदों की ऐतिहासिक जीत ने यह साबित कर दिया है कि जनता की पहली पसंद भाजपा ही है। कांग्रेस हमेशा की तरह फिर से एक बार अपने कर्मों की वजह से नकारी गई है। जनता से मिले विश्वास, समर्थन के लिए उन्होंने आभार माना है। रायपुर शहर की विकास को नव गति देने सदैव की तरह हम सब जुटेंगे, जिसमें हर कार्यकर्ता व पदाधिकारियों की भूमिका अहम होगी।

विकास और विश्वास की जीत : शर्मा

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों व पंचायतों में भाजपा की प्रचंड जीत पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत वास्तव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार के सुशासन की जीत है। पहले विधानसभा चुनाव फिर लोकसभा चुनाव और अब नगरीय निकाय व त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत के साथ जीत मिली है। केन्द्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार के बाद निकायों और पंचायतों में भी ट्रिपल इंजन की सरकार होगी। जिससे विकास कार्य तीव्र गति से होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा छलावा के अलावा कुछ भी नहीं करती इसीलिए जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब दिया है। हर मोर्चे पर कांग्रेस विफल रही है। उनके कार्यकर्ताओं में नेतृत्व को लेकर निराशा है। कांग्रेस में हमेशा परिवारवाद को ही प्राथमिकता है। जिससे लगता है कि कांग्रेस के कार्यकर्ता ही परेशान है।

विनम्र श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर के दूधाधारी सत्संग भवन में छत्तीसगढ़ी फिल्म अभिनेता एवं निर्माता, भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक स्व. राजेश अवस्थी जी के शोक कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हमने पार्टी के प्रतिभाशाली कार्यकर्ता व फिल्म अभिनेता को अल्पआयु में ही खो दिया है। स्व. राजेश अवस्थी को पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। गौरतलब है कि नगरीय निकाय चुनाव के प्रचार के दौरान भाजपा नेता राजेश अवस्थी गरियाबंद गए थे जहां हृदयघात होने उनका दुखद निधन हो गया।

हमारी जीत ऐतिहासिक हुई है : पांडेय

भाजपा बस्तर जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश पांडेय ने कहा कि हमारी जीत ऐतिहासिक है। भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने पूरे जिले में तन्मयता से साथ जुटे थे, जिसका यह परिणाम है। हमारी विशाल विजय हुई है। बस्तर संभाग मुख्यालय की एक मात्र जगदलपुर नगर निगम व बस्तर जिला पंचायत में हम सबने जीत हासिल की है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व संगठन के मुखिया किरण देव के नेतृत्व में हम सबने आशा के अनुरुप जीत हासिल की है। अब नगरीय निकाय क्षेत्रों में हम विकास के नए पैमाने को और मजबूती से गढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक कर विपक्षियों को परास्त किया है। जिसके लिए सभी साधुवाद के पात्र हैं। हम सदैव मजबूती सके साथ समृद्ध बस्तर की संकल्प को पूर्ण करेंगे।

विकास को लगा मुहरः कौशिक

भाजपा दुर्ग जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजना पर जनता ने मुहर लगाया है। किसानों के हित की बात हो या महतारी वंदन हो, आवास हिनों को आवास देने की बात हो यह सबकी चिंता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की नेतृत्व वाली सरकार ने की है, जिसका नतीजा है कि भाजपा की जीत हुई है। कांग्रेस के हर मुहाने पर भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है। नगरीय क्षेत्र का विकास थम सा गया था। इसलिए भाजपा की सरकार के नेतृत्व में विकास के नए अध्याय को लिखने को जनता आतुर थी, जिसके कारण हम कांग्रेस को बड़े अंतर से परास्त किए हैं। उन्होंने कहा कि हमने जनता से जो वादा किया है उसे निभाने में अभी से ही जुट जाएंगे। समृद्ध शहर, समृद्ध गांव और समृद्ध हो हर घर यही हमारा संकल्प वाक्य है। ।•••

वैचारिक अनुष्ठान के उपासक थे रेशम लाल जांगड़े

रेशम लाल जांगड़े

15 फरवरी 1925

11 अगस्त 2014

देश के सबसे बड़े मंदिर संसद के पहले निर्वाचित सांसद होने का गौरव प्राप्त कर चुके स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रेशम लाल जांगड़े का जन्म 15 फरवरी 1925 को रायपुर के पसारडीह गांव में हुआ था। जो वर्तमान में बिलाईगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिला में स्थित है। उनके पिता का नाम टीकाराम जांगड़े व माता का नाम श्रीमती गंगा जांगड़े था। उन्हें समाज सेवा का कार्य विरासत में मिला उनके दादा जी माखनलाल जांगड़े क्षेत्र के प्रसिद्ध समाज सेवी थे। जिनकी प्रेरणा से वे चरैवेति के सूत्र वाक्य के साथ हमेशा सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा बिलाईगढ़ करे मऊहाडीह बिर्रा में हुआ। हाईस्कूल की पढ़ाई रायपुर के प्रसिद्ध सप्रे स्कूल से की उसके उपरांत महाविद्यालयीन शिक्षा 1943 में छत्तीसगढ़ कालेज से की। वे उच्च अध्ययन के लिए नागपुर गये जहां नागपुर विश्व विद्यालय से विधि स्नातक की पढ़ाई पूर्ण की। 1952 में देश के प्रथम सांसद रेशम लाल जांगड़े 1952 से 62 तक सांसद रहे। इस दौरान कई समितियों के सदस्य भी रहे। इसके उपरांत 1962 से 1967 तक मध्यप्रदेश विधानसभा के सदस्य भी रहे जिन्हें तात्कालीन सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। उन्हें छत्तीसगढ़ के अंबेडकर के रूप में जाना जाता था।

> *"श्रद्धेय रेशम लाल जांगड़े जी अनुसूचित जाति व सतनामी समाज के उत्थान के लिए हमेशा प्रयासरत् रहे। वर्तमान में जो हमें मजबूत छत्तीसगढ़ का स्वरूप देखने को मिल रहा है उसमें उनकी भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष, महिला शिक्षा को प्रोत्साहन, छुआ-छूत के खिलाफ उन्होंने हमेशा जन-जागरण चलाया। वे हमेशा एक वैचारिक अनुष्ठान के उपासक के रूप में हर युग में याद किए जाएंगे।"*
>
> **-निर्मल सिन्हा,**
> **भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक**

अविभाजित मध्यप्रदेश 1972-77 तक विधानसभा के सदस्य रहे। उसके उपरांत 1985 से 86 तक उप नेता प्रतिपक्ष भी रहे वर्ष 1985 में भी विधायक रहे और 1989 से 91 तक पुनः सांसद निर्वाचित होकर बिलासपुर लोकसभा का प्रतिनिधत्व किया। पूर्व सांसद व वरिष्ठ समाज सेवी रेशम लाल जांगड़े जी 1939 से 1942 तक नियमित संघ की शाखा में जाते थे। वे गुरु गोलवलकर जी को अपना वैचारिक गुरु भी मानते थे। उन्होंने अस्पृश्यता बिल को लेकर 1954-55 में संसद में डॉ. भीम राव अंबेडकर द्वारा हिन्दू कोड बिल पर चर्चा में हिस्सा लिया। उन्हें मध्यप्रदेश भाजपा का उपाध्यक्ष व मध्यप्रदेश चुनाव समिति का सदस्य बनाया गया। उनका समग्र जीवन वंचित वर्गों को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए समर्पित रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में उनकी भूमिका कभी भुलाया नहीं जा सकता है। वह लोकसभा के सदन पर हमेशा छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की चर्चा करते थे। उन्हें लोकसभा के 60वीं वर्षगांठ पर सम्मानित किया गया था। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने भी सम्मानित किया गया था। वे सामाजिक उत्थान के दिशा में अनुकणीय कार्य करने के लिए हमेशा याद किए जाएंगे।

उनके कर्मयोग को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा समाज का हर वर्ग जुटा है। ऐसे महान मनीषी लोकतंत्र के उपासक रेशम लाल जांगड़े जी का 11 अगस्त 2014 को निधन हो गया। वह भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं है, लेकिन सदैव वैचारिक रूप से हमारे स्मृतियों में सदैव रहेंगे।

पत्रिका दीप कमल के इस अंक का पीडीएफ प्राप्त करने के लिए कृपया QR कोड स्केन करें।

निवेदन

दीप कमल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं। फोन या मोबाइल नंबर पर भी जानकारी दे सकते हैं। ईमेल भी कर सकते हैं। इसके अलावा आपके क्षेत्र में संगठन से संबंधित कोई गतिविधि या पत्रिका में प्रकाशन योग्य कोई समाचार हो, तो उसे भी निम्नलिखित माध्यमों से भेजने का आग्रह है।

प्रबंध संपादक, दीप कमल, प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर डूमरतराई, रायपुर। (छत्तीसगढ़), मोबाइल नं. : 92016-33511, फोन : 0771-2233500
Email : mydeepkamal@gmail.com

महाकुंभ! भव्य और दिव्य कुंभ

मातृ शक्ति का सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में पत्रकार बहनों के सम्मान में 'महतारी वंदन अभिनंदन' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

RNI No.CHHHIN/2004/13926
डाक पंजी. क्रमांक : छ.ग./रायपुर संभाग/78/2023-25

Photo of The Month